वार्षिक रिपोर्ट
2018-19

Jatan
Working with young people

जतन संस्थान

www.jatansanthan.org

संपादन: डॉ. कैलाश बृजवासी | लेखन और डिजाइन: ओम प्रकाश | कवर पेज: पायल शर्मा द्वारा निर्मित *"हम औरतें"* तैलचित्र | प्रकाशन : संजरी ऑफसेट प्रिंटर्स, उदयपुर

(प्रकाशित सभी फोटो प्रकाशन से सम्बंधित अनुमति ले ली गयी है)

फोटो : ओम

जतन

जतन संस्थान दक्षिणी राजस्थान में ज़मीनी स्तर पर काम करने वाली स्वैच्छिक संस्था है. जतन ने अपने काम की शुरुआत सन 2001 में वरिष्ठ शिक्षाविद एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राजस्थान के राजसमन्द जिले में की.

जतन आरम्भ से ही ग्रामीण और शहरी युवाओं, किशोर- किशोरियों, बच्चों व महिलाओं, निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि, प्रवासी मजदूर एवं समुदाय के वंचित वर्ग को विस्तृत कार्यक्रमों के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, रोज़गार, कौशल विकास, प्रवास एवं मातृत्व व प्रजनन स्वास्थ्य के मुद्दों पर सूचनाबद्ध भागीदारी और प्रजातान्त्रिक प्रक्रिया से अपना कार्य कर रही है.

विजन

जतन एक ऐसे समाज की कल्पना करती है, जहाँ लोग स्वस्थ, सुरक्षित और खुशियों से भरी भेदभावमुक्त जिंदगी जिएँ.

मिशन

जतन राजस्थान के युवाओं को सूचना, संबलन व उचित अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत है ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके.

05
प्रगति सन्देश

06
हमारे मूल्य

38
इंटर्नशिप एवं वालंटियर

44
कार्यकारिणी एवं समितियां

बच्चों के साथ 08
शिक्षा
स्वास्थ्य – स्वच्छता
पोषण
सुरक्षा

किशोर- किशोरियों के साथ 16
शिक्षा
स्वास्थ्य- पोषण
क्षमतावर्धन
आजीविका

महिलाओं के साथ 24
महिला जन-प्रतिनिधियों के साथ
हिंसा के विरुद्ध
बेटियों की बातें
मातृत्व स्वास्थ्य
प्रजनन एवं माहवारी स्वास्थ्य

साथियों-समुदाय के साथ 32
अन्य संस्थाओं का क्षमतावर्धन
ग्राम आधारित समितियों का क्षमतावर्धन
ढांचागत विकास

40
उत्सव

41
प्रकाशन

47
वित्तीय लेखा जोखा

प्रगति सन्देश

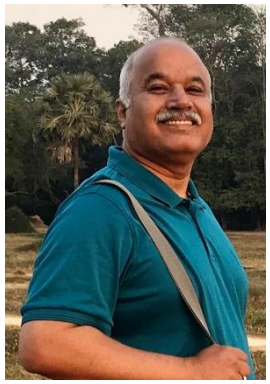

सत्र 2018-19 विकास के क्षेत्र में जतन द्वारा किये जा रहे प्रयासों में एक वर्ष और जोड़ने वाला सत्र रहा | वंचित वर्ग के किशोर-किशोरियों, बच्चों और महिलाओं को विकास की मुख्य धारा में शामिल करने की हमारी प्रतिबद्धता उनके जीवन में बदलाव लाने का काम कर रही है | जब हम अपने कार्यों की समीक्षा करते हैं तो ये बात कहीं न कहीं हमारा उत्साह बढाती है कि sastainable goals को प्राप्त करने में एक छोटा सा योगदान हमने भी देने का प्रयास किया है | विश्व स्तर पर निर्धारित किये गए लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रयासों को मान्यता देना उनके सम्मान को पहचान देने के समान है जो इस तथ्य को मजबूती से स्थापित करता है कि विकास के मुद्दों पर किये जाने वाले प्रयास चाहे छोटे हों या बडे, समूचे विश्व में रहने वाले लोगों के विकास की स्थिति को प्रभावित करते हैं |

इस सत्र में संस्थान को अपनी सीख को आगे बढ़ाते हुए उसे साथी संस्थाओं के साथ साझा करने का भी अवसर मिला | चाइल्ड फण्ड इंडिया के साथ मिलकर लीड पार्टनर मोडल के तहत राज्य समन्वयक की भूमिका का निर्वाह, जहाँ एक और संस्था की नेतृत्व क्षमता को विस्तार देने वाला रहा वहीँ दूसरी और अपनी साथी संस्थाओं से सीखने के लिए मंच भी उपलब्ध कराता रहा | इसी तरह जतन के कोर इशू माहवारी प्रबंधन को उत्तर-पूर्वी राज्यों में सरकार द्वारा मान्यता मिली और इन क्षेत्रों में जतन ने पूर्वोत्तर के चार राज्यों में माहवारी प्रबंधन इकाई स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया | जतन ने इस क्षेत्र में अपनी सोच को विस्तार देते हुए किशोरों और पुरुषों को माहवारी के मुद्दे पर संवेदनशील बनाने का जिम्मा लिया है और इस मुद्दे को हरेक प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ जोड़ने का प्रयास किया है | समता मूलक समाज का सपना देखने वाले लोगों के लिए इस तरह के प्रयास ज़रूरी भी हैं |

कार्यकर्ताओं के क्षमतावर्धन और आपसी अनुभवों को बाँटने के अवसर जतन वार्षिक केम्प और जश्ने जतन में मिलते हैं | इस बार जैसलमेर में आयोजित वार्षिक केम्प और स्थापना दिवस पर पंजाब की थीम, ऐसे अवसर रहे जिनसे कार्यकर्ताओं ने अपनी और अपने पड़ोसी राज्यों की संस्कृति को जाना-समझा | ये अवसर हमारी ऊर्जा को बढ़ाते हैं जो कहीं न कहीं हमारे काम के बेहतर परिणाम लाने में सहायक होती है |आप का सहयोग और मार्गदर्शन भी ऊर्जा के स्त्रोत हैं जो हमारे साथ हमेशा जुड़े रहते हैं और हमें विश्वास है कि हमेशा जुड़े रहेंगे |

शुभकामनाओं के साथ,

डॉ. कैलाश बृजवासी
निदेशक, जतन

हम जतन के साथी, डिस्पोजेबल प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने का समर्थन करते हैं.

हम जतन परिसर तथा कार्यक्रमों में प्लास्टिक बैग, प्लास्टिक पानी की बोतल, फेल्क्स/ बैनर, प्लास्टिक फोल्डर, स्ट्रॉ, प्लास्टिक या थर्मोकोल कप, थर्मोकोल शीट्स, प्रिंटिंग मेटेरियल, पैक्ड खाने के प्लास्टिक पैकेट या डिब्बे आदि का उपयोग नहीं करते.

यहाँ सब युवा हैं.

जतन को फक्र है कि हम अधिकांश साथी 35 वर्ष से कम उम्र के है. फिल्ड के 95% साथी युवा हैं.

हमारे लिए यह भी गर्व की बात है कि कुल स्टाफ में आधे से अधिक महिलाएं हैं.

रीड्यूज , री-यूज , री-साइकिल

हम जानते हैं कि संसाधन बहुत सीमित है. अतः इनका सही और समुचित उपयोग करने पर हमारा जोर रहता है.

संवेदनशीलता

जतन में हर जेंडर एवं यौनिकता के साथियों के लिए काम करने के समान अवसर उपलब्ध है. हम विशेष योग्य जन को लेकर भी संवेदनशील है.

इलस्ट्रशन : गूगल इमेज से साभार

बच्चों के साथ...

फोटो : ओम

परिचय

राजसमन्द और उदयपुर के बच्चों के साथ जतन शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य- पोषण, स्वच्छता, टीकाकरण और सुरक्षा के लिए पूरे साल ज़मीनी स्तर पर सार्थक प्रयास हुए. इन्ही का असर रहा कि 20,500 से अधिक बच्चों तक जतन की सीधी पहुँच बनी और उन्हें उनके बेहतर भविष्य के लिए तैयार करने में सहभागिता निभाई गयी.

वर्ष 2016 से संचालित ख़ुशी परियोजना के द्वारा राजसमन्द जिले के तीन उपखंडों- खमनोर, रेलमगरा और राजसमन्द ग्रामीण के 504 आंगनवाड़ी केन्द्रों के साथ जुड़कर वहां नामांकित 0-6 आयुवर्ग के बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शाला पूर्व शिक्षा आदि पर इस साल भी सघनता से कार्य जारी रहा. आंगनवाडी केन्द्रों के मूल्यांकन, बच्चों के शाला पूर्व शिक्षा मूल्यांकन, आंगनवाडी कार्यकर्त्ता- सहायिकाओं के आवासीय प्रशिक्षण, आवश्यकता आधारित सामग्री पहुँचाने, बच्चों की स्वास्थ्य जांच, THR की लैब जांच, किचन गार्डन, रेसिपी निर्माण आदि नियमित रूप से गतिविधियाँ संचालित हुई.

ख़ुशी परियोजना से बनी समझ के आधार पर बाल विकास परियोजना के अंतर्गत उदयपुर के गोगुन्दा उपखंड के 35 गांवों मे बच्चों के स्वास्थ्य- पोषण आदि पर फोकस रहते हुए कई गतिविधियाँ संचालित हुई.

क्षेत्रीय खेल स्पर्धाओं से स्कूली बच्चे आपस में एक दुसरे से जुड़े. गोगुन्दा की माताओं के साथ भी विविध गतिविधियाँ आयोजित की गयी, ताकि वे बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य- पोषण पर ध्यान दे सके. चाइल्डलाइन 1098 के अंतर्गत राजसमन्द जिले में इस साल कुल 539 केस दर्ज किये गए. नियमित रूप से फोलोअप, जागरूकता निर्माण कार्यशालाओं और आउटरिच गतिविधियों से समुदाय को बाल सुरक्षा पर जागरूक किया गया. कोमल फिल्म द्वारा 70 से अधिक स्कूली बच्चों को अच्छे- बुरे स्पर्श के बारे में जानकारी प्रदान की गयी.

उदयपुर के कच्ची बस्ती क्षेत्र में 77 बच्चों के साथ "अपना जतन केंद्र" द्वारा नियमित सपोर्ट कक्षाएं संचालित करके तथा उनके बेहतर स्वास्थ्य के साथ रचनात्मक कौशल विकास, शैक्षणिक भ्रमण तथा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने की विविध गतिविधियों द्वारा उन्हें शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा गया.

शाला पूर्व शिक्षा में सहयोग

राजसमन्द के 10,300 तथा गोगुन्दा के 235 बच्चों के साथ शाला पूर्व शिक्षा को लेकर गतिविधियाँ आयोजित की गयी. इस दौरान 3-4 तथा 4-6 वर्ष आयु वर्ग के साथ अलग अलग विकास आधारित गतिविधियों पर कार्य किया गया. भाषा विकास, संज्ञानात्मक विकास, शारीरिक विकास, सामाजिक विकास तथा रचनात्मक कौशल विकास पर आंगनवाडी केन्द्रों पर विभाग द्वारा तय समय सारणी को मजबूती प्रदान करते हुए कार्य किया गया.

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण

राजसमन्द जिले के 445 तथा गोगुन्दा की 10 आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के साथ 05 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किये गए. इस दौरान शाला पूर्व शिक्षा के सभी आयामों पर समझ बनाने के साथ साथ कबाड़ से जुगाड़, कविता लेखन आदि पर विशेष सत्र आयोजित किये गए.

साथी- सहयोगी

ChildFund India

CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY

Gebeco LÄNDER ERLEBEN

HINDUSTAN ZINC Zinc of India

(All logos are in alabatic order)

शाला पूर्व शिक्षा

प्रशिक्षण

बच्चों के लिए किट निर्माण

आंगनवाड़ी केंद्र संचालन में सहयोग

मूल्यांकन एवं रिपोर्ट कार्ड

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

सपोर्ट कक्षाएं

स्पोर्ट्स सप्ताह

छात्र संसद एवं चाइल्ड क्लब

रचनात्मक गतिविधियाँ

भ्रमण

स्वास्थ्य- स्वच्छता

स्वास्थ्य जांच

जागरूकता निर्माण

आवश्यकता आधारित सामग्री उपलब्ध करवाना

हैण्डहोल्डिंग सहयोग

पोषण

किचन गार्डन विकास

रेसिपी प्रशिक्षण एवं पोषण मेला

अतिकुपोषण पहचान एवं उपचार

जागरूकता निर्माण

पैरवी

बाल अधिकार

जागरूकता निर्माण

क्षमतावर्धन

चाइल्डलाइन संचालन

पैरवी

IEC विकास

18,600 बच्चों, **868** आंगनवाड़ी कार्मिकों तक सीधी पहुँच

1750 स्कूली बच्चे लगातार जुड़े रहे इस साल

539 बच्चों को इस साल सीधे मिला लाभ, **7000** बच्चों तक पहुँच

परियोजनाएं

ख़ुशी (राजसमन्द, खमनोर, रेलमगरा); बाल विकास परियोजना (गोगुन्दा); चाइल्डलाइन 1098 (राजसमन्द); अपना जतन केंद्र (उदयपुर)

इसी के साथ सेक्टर बैठकों में प्रति माह 2 घंटे के विशेष रिफ्रेशर सत्र आयोजित किये गए. प्रत्येक माह के आंगनवाडी केंद्र वार टास्क भी फिक्स किये गए.

शाला पूर्व शिक्षा मूल्यांकन

3-4 तथा 4-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के साथ साल में दो बार; जुलाई तथा मार्च में व्यक्तिगत मूल्यांकन आयोजित किये गए. 3-4 वर्ष आयु वर्ग में पहले मूल्यांकन में 57% बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया, वही द्वितीय मूल्यांकन में इसी आयुवर्ग का प्रदर्शन 68% रहा. इसी प्रकार 4-6 वर्ष आयुवर्ग में यही परिणाम पहली बार 57% तथा दूसरी बार 76% रहा. ये इस बात का द्योतक है कि बच्चों के साथ वर्ष पर्यंत की गयी मेहनत का रंग लाई.

बच्चों की व्यक्तिगत रिपोर्ट को कार्ड पर अंकित करके उनके अभिभावकों के साथ साझा किया गया.

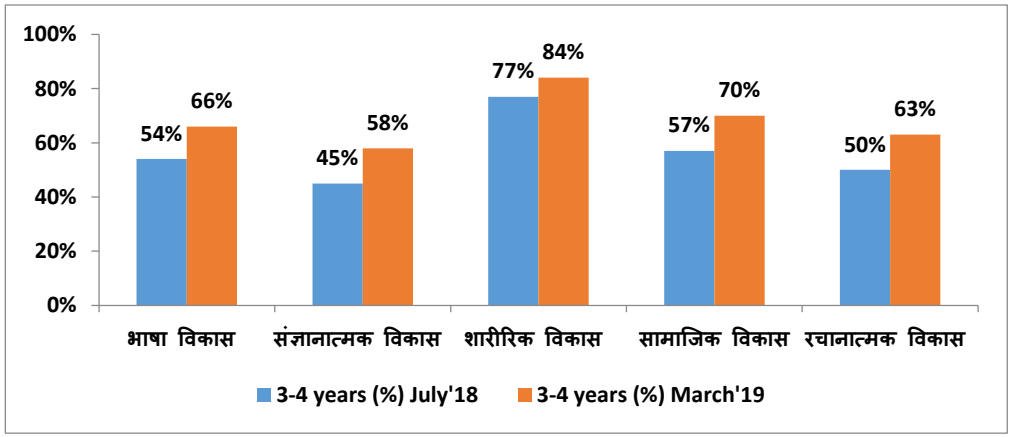

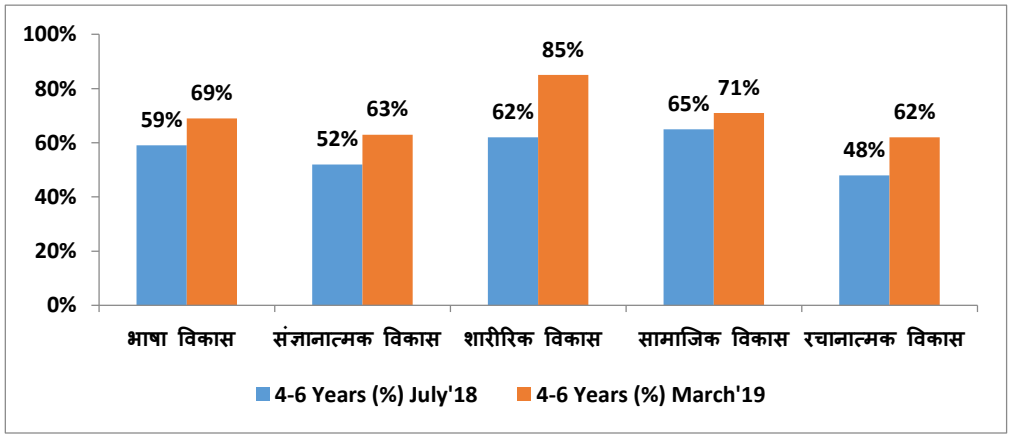

किट वितरण

राजसमन्द जिले में 10,300 बच्चों को एक बैग, अभ्यास पुस्तिका, स्टेशनरी किट प्रदान करने की शुरुआत की गयी. इस किट के पीछे धारणा यह थी कि सरकार द्वारा प्रदात अभ्यास पुस्तिकाओं के अतिरिक्त सामग्री प्रदान करके केंद्र पर शाला पूर्व शिक्षा को और अधिक मज़बूत किया जा सके. साथ ही गाँव स्तर पर खुल चुके निजी नर्सरी स्कूलों के मुकाबले आंगनवाडी केन्द्रों को खडा किया जा सके. बच्चों को इस साल नयी यूनिफार्म और जूते भी प्रदान किये गए. यह *"खुशी बांटिये अभियान"* के अंतर्गत किया गया.

ई-लर्निंग

राजसमन्दजिले के 112 केन्द्रों पर परियोजना अंतर्गत उपलब्ध करवाई गयी LED टीवी की सहायता से बच्चों की ई-लर्निंग पर भी फोकस किया गया. इस दौरान यूनिसेफ तथा अन्य संस्थाओं द्वारा उपलब्ध सामग्री को बच्चों के विकास के लिए उपयोग किया गया. प्रति माह विषय और थीम आधारित सामग्री उपलब्ध करवाई गयी और उनके उपयोग पर समझ बनाई गयी.

अभिभावकों के साथ समन्वय

शाला पूर्व शिक्षा पर अभिभावकों के साथ उनकी समझ को बनाने के उद्देश्य से नियमित मासिक बैठकों के द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास पर फोकस किया गया. विषय आधारित इन बैठकों के द्वारा अपेक्षा की गयी कि बच्चों के स्वाभाविक समझ की स्थिति को समझा जाए और उसी अनुसार बच्चों के साथ व्यवहार किया जाए.

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

उदयपुर के गोगुन्दा उपखंड के 35 गांवों तथा शहरी कच्ची बस्ती नीमचमाता मोहल्ले में 5-13 वर्ष के स्कूली, ड्राप आउट तथा स्कूल से वंचित बच्चों के साथ शिक्षा की अहमियत तथा आयु अनुसार उनके शैक्षिक विकास पर सघनता से इस साल विविध गतिविधियाँ आयोजित की गयी.

सपोर्ट कक्षाओं का संचालन

गोगुन्दा में 10 गांवों में स्कूली बच्चों को शैक्षिक सहयोग के लिए नियमित सपोर्ट कक्षाओं का संचालन "बिल्डिंग बेसिक स्किल्स" केन्द्रों के माध्यम से स्कूल समय के बाद आरम्भ किया गया. इन केन्द्रों पर नियमित 3 से 4 घंटे विविध विषयों, विशेषकर विज्ञान और गणित पर अध्ययन करवाया गया. इन कक्षाओं का लाभ यह रहा कि कई बच्चों के मन से इन विषयों के डर को ख़त्म कर ड्राप आउट रोका गया.

उदयपुर के शहरी क्षेत्र में भी अपना जतन केंद्र के माध्यम से स्कूल जाने वाले 77 बच्चों के साथ भी नियमित रूप से कक्षाएं आयोजित की गयी. स्कूल नहीं जाने वाले बच्चों के साथ भी नियमित रूप से कक्षाएं संचालित की गयी.

छात्र संसद बैठकें

विद्यालयों में छात्र संसद का गठन करके बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए तथा साथ ही विद्यालय परिसर को बेहतर बनाने में बच्चों के योगदान को देखते हुए छात्र संसद बैठकें पूरे वर्ष में कुल 03 बार आयोजित की गयी.इनमे कुल 201 छात्रों ने सहभागिता निभाई.

फोटो : ओम

चाइल्ड क्लब एवं छात्र संसद गठन एवं संचालन

गोगुन्दा के चयनित स्कूलों में चाइल्ड क्लब तथा छात्र संसदों का गठन करके उन्हें मासिक बैठकों और सभाओं के द्वारा नियमित किया गया. इस से बच्चों की भूमिका विद्यालयों में बढ़ाई गयी.

डिजिटल क्लासेस का संचालन

गोगुन्दा के 10 चयनित स्कूलों में प्रोजेक्टर एवं स्क्रीन उपलब्ध करवाते हुए डिजिटल लर्निंग सामग्री उपलब्ध करवाते हुए डिजिटल कक्षाएं आरम्भ की गयी. इस सन्दर्भ में सम्बंधित अभिभावकों और शाला प्रमुखों का प्रशिक्षण किया गया तथा न्क्यम्क्त मोनिटरिंग की गयी और हैण्ड होल्डिंग सहयोग प्रदान किया गया.

स्पोंसर सप्ताह का आयोजन

विभिन्न दानदाताओं से सीधे अनुदान प्राप्त के लिए चयनित बच्चों के साथ तीसरी तिमाही में स्पोंसर वीक सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया. इसमें कुल 143 बच्चों की सहभागिता रही.

स्पोर्ट्स सप्ताह

गोगुन्दा ब्लाक स्तर पर आयोजित खेलकूद सप्ताह के दौरान 26 गांवों से विभिन्न स्पर्धाओं में 272 बच्चों और किशोर- किशोरियों की सहभागिता रही, जिनमे 161 स्पोंसर बच्चे शामिल थे. इस दौरान विभिन्न व्यक्तिगत और सामूहिक खेलों का आयोजन किया गया. पारंपरिक आदिवासी खेल स्पर्धाओं को भी इसमें शामिल किया गया. विजेताओं को सम्मानित किया गया.

समर कैंप का पांचवा साल

इस वर्ष भी मई-जून में ग्रीष्म अवकाश के दौरान दो माह का समर कैंप आयोजित किया गया. इस दौरान बच्चों ने कंप्यूटर लर्निंग, आर्ट-क्राफ्ट, नृत्य, गायन आदि में रूचि दिखाई. समर कैंप के बाद आयोजित अपना जतन वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया. इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी.

शैक्षणिक भ्रमण

अपना जतन केंद्र में प्रत्येक तिमाही में शैक्षणिक भ्रमण इस बार भी जारी रहा. इस वर्ष कुम्भलगढ़, हल्दीघाटी, हेल्थ वंडर वर्ल्ड, पिछोला भ्रमण, राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भागीदारी के साथ जारी रहा. इन भ्रमण में प्रत्येक बार 50 से अधिक बच्चों ने भाग लिया.

गोगुन्दा के 120 बच्चों के साथ दो-दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन उदयपुर में किया गया, जहाँ उनके साथ कबाड़ से जुगाड़ आर्ट- क्राफ्ट गतिविधियाँ आयोजित की गयी. इस दौरान बच्चों को उदयपुर शहर भ्रमण के साथ फिश एक्वेरियम और 3D फिल्म दिखाई गयी. बच्चों को मॉल भी घुमाया गया.

फोटो : ओम

फोटो : राजू पहाड़िया

स्वास्थ्य – स्वच्छता

ख़ुशी परियोजना के अंतर्गत राजसमन्द के 8760 बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच तथा 200 से अधिक अतिकुपोषित बच्चों को अस्पताल से जोड़ने के साथ साथ गोगुन्दा में स्वच्छता के लिए किट वितरण जैसी गतिविधियों के साथ बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता पर इस वर्ष काम जारी रहा. बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर जहाँ राजसमन्द में बच्चों और आंगनवाडी स्टाफ पर विशेष फोकस किया गया, वहीँ गोगुन्दा में समुदाय, खासकर अभिभावकों को भी इसमें जोड़ा गया.

नियमित त्रेमासिक जांच

उदयपुर कच्ची बस्ती क्षेत्र, गोगुन्दा तथा राजसमन्द के तीन उपखंडों में 256 आंगनवाडी केन्द्रों के सभी नामांकित बच्चों की साल में तीन बार स्वास्थ्य जांच की गयी. इस दौरान बच्चों की वृद्धि, हीमोग्लोबीन, त्वचा, आँख, नाक-कान-गला, पोषण स्थिति आदि की जांच की गयी. केंद्र स्तर पर आयोजित इस जांच कार्यकम में राष्ट्रीय

किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का भी सहयोग मिला. कुल 8760 से अधिक बच्चे नियमित तौर पर लाभान्वित हुए, जिनका नियमित फोलो अप भी किया गया. 8% बच्चों को राजकीय अस्पताल रेफर किया गया.
इसी के साथ नियमित तौर पर हर तीसरे गुरूवार को आयोजित मातृत्व शिशु स्वास्थ्य पोषण दिवस के आयोजन में जतन ने सक्रीय सहभागिता निभाई.
गोगुन्दा में 10 आंगनवाडी केन्द्रों के बच्चों के साथ भी नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच की गयी.

आवश्यकता आधारित सामग्री

सभी 504 केन्द्रों पर वज़न मशीन, प्राथमिक उपचार पेटी, स्वच्छता किट तथा जानकारीपरक पोस्टर वितरित किये गए.

जागरूकता निर्माण

नियमित तौर पर स्वास्थ्य विषय आधारित बैठकों के द्वारा अभिभावकों, आगंवादी कार्यकर्ताओं, ANM, आशा सहयोगिनी आदि के साथ सत्र और बैठकें आयोजित करके वर्षपर्यंत जागरूकता निर्माण किया गया. बच्चों के हाथ धोने पर विशेष फोकस किया गया.
गोगुन्दा तथा रेलमगरा में ग्राम आधारित बैठकों के साथ साथ पंचायतों में भी स्वच्छता पर पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मिलकर जागरूकता निर्माण किया गया.

8760

बच्चों की हर तिमाही स्वास्थ्य जांच की गयी

5212

महिलाओं ने टेक होम राशन से विविध व्यंजन बनाने सीखे

471

आंगनवाडी केन्द्रों पर साल में दो बार सफलतापूर्वक किचन गार्डेन तैयार किये गए.

Identification of SAM Children (Rajsamand)			
Time period	**Identified SAM Children**	**MTC Referral**	**Treatment and follow-up ongoing**
2016-17	**189**	**189**	**189**
2017-18	**228**	**228**	**228**
2018-19	**348**	**45**	**130**

फोटो : रोहित पालीवाल

पोषण

दक्षिणी राजस्थान में गर्भवती- धात्री महिलाओं (एवं किशोरियों), नवजात तथा छोटे बच्चों में कुपोषण और एनीमिया की स्थितियों को देखते हुए तीन वर्ष पहले उचित रणनीति के साथ सघनता से इसके निवारण के कार्य आरम्भ किये गए. इसके परिणाम स्पष्टता के साथ अब सामने आने शुरू हुए हैं, तथापि अभी भी क्षेत्र में पोषण की स्थितियां बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती.

कुपोषित बच्चों की पहचान एवं उपचार

राजसमन्द, उदयपुर शहरी तथा गोगुन्दा क्षेत्रों में इस वर्ष 355 बच्चे अतिकुपोषित चिन्हित हुए. इनमे केवल 348 तो राजसमन्द में ही थे. इनमे से विशेष 45 बच्चों को तत्काल जिला मुख्यालय स्थित कुपोषण उपचार केंद्र (MTC) रेफर किया गया. शेष अतिकुपोषित बच्चों के साथ उनके आवास और आंगनवाडी केंद्र के द्वारा विशेष आहार पद्धति (RUTF) के द्वारा उन्हें पोषण प्रदान किया गया. ख़ास बात यह रही कि इस वर्ष किसी भी बच्चे की मृत्यु कुपोषण से नहीं हुई, जबकि इस से पहले 3 चिन्हित बच्चे उचित पोषण के अभाव में मर चुके थे.

राजसमन्द से अर्जित समझ को गोगुन्दा में भी विस्तृत किया गया और वहां भी पहले चरण में 07 अतिकुपोषित बच्चे चिन्हित हुए.

किचन गार्डन विकास

राजसमन्द तथा गोगुन्दा क्षेत्रों में इस वर्ष 480 केन्द्रों पर साल में दो बार किचन गार्डन तैयार किये गए. इनमे 471 केंद्र राजसमन्द जिले में जबकि 09 केंद्र गोगुन्दा में थे. मानसून सीजन में बेलदार सब्जियां तथा सर्दियों में गवार, भिंडी, टमाटर, पालक,मटर, मैथी आदि के बीज उपलब्ध करवा कर उनकी क्यारियाँ तैयार करवाई गयी. तैयार सब्जियों को दोपहर के भोजन में शामिल करवाया गया तथा शेष रही सब्जियों को आवश्यकता अनुसार गर्भवती- धात्री महिलाओं को उपलब्ध करवाया गया.

रेसिपी प्रशिक्षण एवं पोषण मेला

राजसमन्द में इस वर्ष 253 केन्द्रों (50% चयनित केंद्र) तहत गोगुन्दा के 10 केन्द्रों पर साल भर में तीन बार रेसिपी ट्रायल आयोजित किये गए. इनमे आंगनवाडी केंद्र द्वारा उपलब्ध करवाए जा रहे टेक होम राशन (पोषाहार) से विविध पोषक सामग्री बनाना सिखाया गया. साथ ही वे इसका उपयोग घर पर करें, इसका फोलो अप किया गया.

इसकी परिणति रही कि केन्द्रों से मिलने वाले टेक होम राशन को समुदाय ने चाव से उपयोग करना आरम्भ किया और इस से बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य में उतरोत्तर विकास देखा गया. फोकस ग्रुप डिस्कशन के दौरान 50% से अधिक महिलाओं ने स्वीकार किया कि वे अब टेक होम राशन से विविध सामग्री बनाकर बच्चों को खिला रही हैं.

05 मार्च को जतन द्वारा हिंदुस्तान जिंक और महिला बाल विकास विभाग के साझे में राजसमन्द में जिला स्तरीय पोषण मेला आयोजित किया गया, जिसमे 500 से अधिक आंगनवाडी कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही. कार्यकर्ताओं ने विविध पौष्टिक रेसिपी'ज प्रस्तुत की.

फोटो : दिनेश

Nutrients	ICDS Standard	Lab test Result 2017-18		Lab test Result 2018-19	
		1st	2nd	1st	2nd
Total Fat gm/100gm	8.3	2.2	1.6	4.5	6.5
Crude Fiber gm/100gm	1.1	3.8	3.6	0.6	0.8
Protein gm/100gm	11.7	8.5	7.6	12.0	12.2
Energy Kcal/100gm	400.0	376.0	372.7	397.0	410.9
Total Carbohydrate	76.9	80.6	82.6	76.9	75.9

टेक होम राशन की गुणवत्ता

उदयपुर तथा राजसमन्द में परियोजना क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाये जा रहे टेक होम राशन (पंजीरी) की गुणवत्ता जांच के लिए उन्हें साल में दो बार प्रयोगशाला में भेजा गया. इस वर्ष राशन में प्रोटीन तत्व की बढ़ी मात्रा उत्साहजनक रही.

इसी के साथ स्वयं सहायता समूहों को निर्माण स्थल पर जाकर पंजीरी बनाने का वर्ष में चार बार प्रशिक्षण दिया गया. उन्हें स्वच्छता, कच्चे माल की सफाई और गुणवत्ता की जांच, सिकाई, कच्चे माल का सही मिलान आदि पर प्रशिक्षण दिया गया.

पैरवी एवं जागरूकता निर्माण

आंगनवाडी केन्द्रों पर नियमित मासिक अभिभावक बैठकों, नियमित ब्लाक, जिला तथा राज्य स्तरीय अधिकारियों के साथ नियमित प्रगति शेयरिंग और मुद्दा आधारित पैरवी की गयी. इसी के साथ प्रत्येक ग्राम सभा में भागीदारी करके पंचायत को भी प्रगति से वाकिफ करवाया गया. सरपंचों और गाँव के प्रबुद्ध नागरिकों को बच्चों की पोषण की स्थितियों से रूबरू करवाया गया तथा उन्हें आंगनवाडी केन्द्रों के समय समय पर निरीक्षण के लिए निवेदन किया गया.

मीडिया ने भी जागरूकता निर्माण में काफी सहयोग किया. बेहतर कामों की सफल कहानियों को प्रमुख समाचारपत्रों ने प्रकाशित किया. बेहतर आंगनवाडी केन्द्रों की प्रेक्टिस को भी तरजीह मिली.

क्रम	मामलों/ केस के प्रकार		कुल मामले
1	चिकित्सीय सहायता		81
2	शेल्टर		29
3	शोषण से सुरक्षा	बाल विवाह	36
		बाल मजदूरी	79
		शारीरिक हिंसा	23
		भिक्षावृति/ कचरा बीनने वाले	31
		यौनिक हिंसा	7
		भावनात्मक शोषण	8
		शैक्षिक सहायता	42
4	राजकीय स्कीम का लाभ		59
5	परिजनों को सहायता/ परामर्श		11
6	भावनात्मक सहयोग और मार्गदर्शन (काउंसिलिंग)		8
7	गुमशुदा बच्चे		24
8	स्थानांतरण		0
9	मृत्यु		2
10	तस्करी		67
11	बच्चा पाया गया		17
12	अन्य चाइल्ड लाइन को रेफर किये गए केस		15
कुल मामले			539

बाल अधिकार एवं सुरक्षा

संकट में फंसे बच्चों की तरित सहायता के लिए भारत सरकार तथा चाइल्ड लाइन इण्डिया के साथ मिलकर जतन ने अप्रेल 2016 में राजसमन्द जिले में चाइल्डलाइन फोन सेवा 1098 शुरू की गयी. लगातार तीन साल चाइल्डलाइन राजसमन्द ने सफलता के सोपान छुए.

चाइल्डलाइन के उद्देश्य हर बच्चे को उनके अधिकार दिलाना, सनत में फंसे बच्चे को तत्कल सहायता दिलाना, बाल संरक्षण नेटवर्क निर्माण, बच्चों की आअश्यक्तओन के अनुरूप विविध राजकीय सेवा कर्मियों और संस्थाओं को चाइल्डफ्रेंडली बनाना आदि है.

जागरूकता निर्माण (आउटरिच)

जतन की चाइल्डलाइन टीम द्वारा पूरे वर्ष पूर्व चिन्हित भीड़भाड़ वाले इलाकों, स्कूलों, पूजा स्थलों, बस स्टेंड आदि स्थानों पर लोगों से मुलाकातें करके तथा केनोपी द्वारा प्रचार करके लोगों को चाइल्डलाइन का परिचय करवाया गया तथा उनके फोन से निशुल्क 1098 फोन करवाया गया. रात्रि आउटरिच भी की गयी. परिणामस्वरूप लोगो को इस आपातकालीन फोन सेवा के बारे में जानकारी हुई और संकट की स्थिति में कॉल्स में वृद्धि देखी गयी. इस दौरान ओपन हाउस (संक्षिप्त बैठकें) तथा जागरूकता आधारित फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया.

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह एवं यौन हिंसा के विरुद्ध अभियान

अक्तूबर में टीम द्वारा चाइल्ड लाइन से दोस्ती सप्ताह का आयोजन किया. इस दौरान विभिन स्कूलों में प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक गतिविधियों द्वारा जागरूकता निर्माण किया गया. जिला विधिक प्राधिकरण भी इसमें सहयोगी रहा. यौन हिंसा तथा बालश्रम रोकथाम के लिए भी विविध अभियान जारी रहे.

26 जनवरी को जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में चाइल्डलाइन झांकी को द्वितीय पुरुस्कार मिला. झांकी में बाल अधिकारों के हनन के विविध प्रकारों को बेहतरीन तरीके से बताया गया था.

पुलिस के साथ समन्वय और पैरवी

पूरे वर्ष पर्यंत जिले के विभिन्न पुलिस थाना स्टाफ, पुलिस लाइन और जिला पुलिस मुख्यालय के साथ चाइल्ड लाइन ने नेटवर्किंग की तथा उन्हें बाल अधिकारों पर जागरूक किया. हर अपत स्थिति में पुलिस द्वारा अपना स्टाफ भेजकर चाइल्डलाइन और बच्चों को पूरी सुरक्षा प्रदान की गयी.

फोटो : चाइल्डलाइन टीम

किशोर- किशोरियों के साथ...

फोटो : ओम

परिचय

किशोर किशोरियों के साथ विविध विषयों पर सक्रियता पूर्वक काम करने का जतन का 20 वर्षों का ठोस अनुभव है. जतन ने किशोर किशोरियों और युवाओं के विविध विषयों को समझा, जो उन्हें प्रभावित करते हैं. और उन्हें सलाह, सुरक्षा और सन्दर्भ प्रदान करते हैं.

जीवन कौशल शिक्षा, जेंडर, शिक्षा, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, माहवारी प्रबंधन, पैरवी, आजीविका आदि विषयों पर जतन ने पिछले 2 दशकों से अपनी समझ को विकसित किया है. रेलमगरा के 2 गांवों से आरम्भ हुई ये यात्रा आज राज्य के बाहर अन्य संस्थाओं के क्षमता वर्धन में सहयोग तक जा पहुंची है.

उदयपुर, भीलवाड़ा, राजसमन्द के विभिन्न ब्लाक में 12,500 से अधिक किशोर किशोरियों के साथ सीधा संवाद कायम कर पाई है, वहीँ अन्य राज्यों में प्रशिक्षण के दौरान 4000 से अधिक किशोर किशोरियों और युवाओं से जुड़ी है.

इस वर्ष गोगुन्दा (उदयपुर) के 150 गांवों में हिलोर परियोजना, 35 अन्य गांवों में बाल विकास परियोजना, गोगुन्दा तथा कोटड़ा के 15 स्कूलों के साथ प्रोजेक्ट लव, सहाड़ा (भीलवाड़ा) की 10 पंचायतों में किशोरी सशक्तिकरण, राजसमन्द, डूंगरपुर और उदयपुर जिलों के 17 कस्तूर बा आवासीय विद्यालयों के क्षमता वर्धन, उदयपुर शहर के कच्ची बस्ती क्षेत्र के किशोर किशोरियों के साथ शिक्षा- स्वास्थ्य आदि के साथ साथ जतन ने माहवारी प्रबंधन पर अनेक साथी संस्थाओं के साथ काम किया है.

साथी- सहयोगी

Bodh Shiksha Samiti

ChildFund India

kshamtalaya

NSE

Save the Children

THE HUNGER PROJECT

UNFPA

(All logos are in alabatic order)

शिक्षा

जीवन कौशल शिक्षा एवं जेंडर

सोश्यल एक्शन प्रोजेक्ट्स

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सहयोग

अध्यापक प्रशिक्षण

IEC निर्माण

स्वास्थ्य- पोषण

जागरूकता निर्माण

खेल

यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य

व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं माहवारी प्रबंधन

सामुदायिक स्वास्थ्य

क्षमतावर्धन

कौशल विकास- पदस्थापन

फ़ेलोशिप

पंचायतीराज पर समझ

किशोरी मेला

क्षमता उत्सव

नेटवर्किंग

25,750 से अधिक किशोर किशोरियों तक सीधी पहुँच

9500 किशोरियों और **3000** किशोरों को स्वास्थ्य जाँच का लाभ

717 युवा जुड़े विभिन्न रोज़गार परक प्रशिक्षणों से

परियोजनाएं

हिलोर (गोगुन्दा); ग्राम पंचायतों के साथ मिलकर किशोरियों का सशक्तिकरण (सहाड़ा); प्रज्वला (राजसमन्द), बेहतर शिक्षा से वंचित किशोरियों का सशक्तिकरण (राजसमन्द, डूंगरपुर, उदयपुर) बाल विकास परियोजना (गोगुन्दा); चाइल्डलाइन 1098 (राजसमन्द); अपना जतन केंद्र (उदयपुर); प्रोजेक्ट लव (गोगुन्दा एवं कोटड़ा); उगेर (उदयपुर)

शिक्षा

किशोर किशोरियों की मुख्य धारा की शिक्षा में सहयोग, वंचित किशोर किशोरियों को शिक्षा से जोड़ना, जीवन कौशल विकास, जेंडर आदि विविध विषयों पर जतन ने पूरे साल सक्रियता पूर्वक अपनी उपस्थिति दर्ज की. इस दौरान समुदाय और किशोर- किशोरियों के लिए आकर्षक सूचना सम्प्रेषण सामग्री भी निर्मित की गयी. जहाँ ड्राप आउट और स्कूल से वंचित किशोरियों के साथ नियमित पाक्षिक और साप्ताहिक बैठकों के द्वारा सम्पर्क बनाया गया, वहीँ हर पखवाड़े "कर के देखें " (सोश्यल एक्शन प्रोजेक्ट्स) के द्वारा उन्हें समझ को विस्तार देने के लिए स्पेस उपलब्ध करवाया गया. कस्तूर बा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालयों के साथ काम करते हुए मीना मंच को मज़बूत करने के साथ साथ अध्यापकों का भी प्रशिक्षण किया गया.

जीवन कौशल शिक्षा एवं जेंडर

खेरवाडा में हिलोर के पहले चरण की सफलता के बाद इस वर्ष गोगुन्दा के चयनित 175 आंगनवाडी केन्द्रों पर किशोरी समूहों के साथ उसे दोहराया गया. इसके सकारात्मक परिणाम सामने आये. तकरीबन 3800 किशोरियों के सीधे जुड़ाव हुआ.

भीलवाड़ा के सहाड़ा में चयनित 10 पंचायतों में किशोरी समूहों को सीधे स्थानीय महिला सरपंच को जोड़कर जीवन कौशल शिक्षा के साथ स्वयं के अधिकारों की पैरवी पर समझ विकसित की गयी.

कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालयों की किशोरियों के साथ भी इन विषयों पर नियमित चर्चा हुई.

आंगनवाडी प्रोफाइल निर्माण एवं पीयर एज्युकेटरों का चयन : गोगुन्दा में शुरूआती चरण में स्टाफ चयन और उनके आमुखीकरण के पश्चात चयनित आंगनवाडी केन्द्रों का प्रोफाइल तैयार किया गया. इस से केंद्र और उसके आस पास की भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक, पारंपरिक स्थिति पता चलने सहित समुदाय से सीधा जुड़ाव हुआ.

इसी दौरान किशोरी समूहों का गठन करते सखी सहेली का चयन भी किया गया. सखी सहेलियों ने प्रशिक्षण के पश्चात नियमित रूप से सभी सत्रों का संचालन अपने अपने समूहों में किया. सभी सखी- सहेलियों का व्यक्तिगत प्रोफाइल भी तैयार किया गया.

फोटो : ओम

मन्ना जी का गुडा (गोगुन्दा) की किरण को इस बात से दुःख पहुंचा कि बड़े भाई को मोटर साइकिल तो मिल गयी, पर उसे 3 किलोमीटर दूर अपने स्कूल जाने के लिए वाहन नहीं मिला.

जब किरण ने हिलोर किशोरी बैठक में पहला सत्र पूरा किया तो उसे लगा कि अब पापा से बात करने का समय आ गया है. उसने शाम को पापा से बहुत प्यार से बात की. दो महीने बाद अपने जन्मदिन पर किरण को नयी नवेली स्कूटी मिली. किरण की खुशी का ठिकाना न रहा. पापा ने किरण को स्कूटी की चाबी सौंपते हुए कहा कि उनके लिए बेटा और बेटी समान है.

किरण का मानना है कि अगर लडके, लड़कियों के प्रति अपना नज़रिया बदल ले तो समाज में लड़कियों के लिए सारे रास्ते खुल जायेंगे. उसने अब अपने खेत में ट्रेक्टर चलाना भी सीख लिया है.

सत्रों का संचालन : सहाड़ा तथा गोगुन्दा में किशोरी समूहों के गठन के पश्चात क्रमशः नियमित मासिक और पाक्षिक बैठकें आयोजित की गयी. इन बैठकों में जिज्ञासाओं, आवश्यकताओं, बाल विवाह के विरुद्ध, नेगोसिशेयेशन स्कील्स आदि सत्रों का आयोजन किया गया. सत्रों के दौरान स्वयं और समूह या गाँव की चुनौतियों को ग्राम प्रतिनिधियों तक ले जाने की रणनीति आदि पर भी काम किया गया.

क्लस्टर बैठकें : आंगनवाडी केन्द्रों के क्लस्टर गठित करके नियमित रूप से सखी सहेलियों की बैठकें आयोजित करके समीक्षा और आगामी प्लानिंग की रणनीति विकसित करने में सहयोग किया गया. इन बैठकों में सखी सहेलियों के साथ विविध आगामी सत्रों के रिफ्रेशर भी आयोजित किये गए.

आओ, करके देखें

इस वित्तीय वर्ष में तकरीबन सभी परियोजना क्षेत्रों में सोश्यल एक्शन प्रोजेक्ट्स (आओ, करके देखें) आयोजित किये गए. सोश्यल एक्शन प्रोजेक्ट्स का मकसद सत्रों में बनिसमझ को धरातल पर उतारने में सहयोग देना है. इस दौरान समूह के सदस्य स्वयं की, समुदाय की किसी एक स्थिति को लेकर मंत्रणा करते हैं और सम्बंधित चुनौती को ख़त्म करने में उनके योगदान को समझते हुए रणनीति के तहत कोई एक गतिविधि करते हैं.

इस वर्ष गोगुन्दा की किशोरियों ने जहाँ पोषण रैली, मतदाता जागरूकता अभियान, बाल विवाह के विरुद्ध अभियान में हिस्सा लिया वहीँ सहाड़ा की किशोरियों ने स्थानीय पेयजल की समस्या, रोड लाईट नहीं होने,

438

किशोरियों ने ओपन स्कूल से अपनी शिक्षा जारी रखी

209 ड्राप आउट किशोर किशोरियों ने निरंतर शिक्षा में कदम रखा

187

किशोरियों ने कोलेज में दाखिला लिया

17 कस्तूर बा गाँधी आवासीय स्कूलों में सक्रिय सहयोग रहा जारी

अनुभवों को आगे ले जाना

स्थानीय समुदाय स्तरीय समितियों और ग्राम सभा को सक्रिय करने में सहयोग

केरिक्युलम आधारित सत्रों का नियमित संचालन

सोश्यल एक्शन प्रोजेक्ट्स

समुदाय सहभागिता से आंगनवाडी केन्द्रों का चयन एवं प्रोफाइलिंग कार्य

क्लस्टर स्तरीय समीक्षा एवं रिफ्रेशर बैठकें मेंटरशिप एवं गाइडेंस

समूह गठन
पीयर एज्युकेटर चयन एवं प्रशिक्षण
समूह की प्रोफाइल

जीवन कौशल शिक्षा में पीयर एज्युकेटर पद्धति

फोटो : अरविन्द जोधा/ UNFPA, हिलोर परियोजना, गोगुन्दा

शराब के ठेके को स्कूल के पास से हटाने जैसे सोश्यल एक्शन प्रोजेक्ट किये. कईयों में किशोरियों को व्यापक सफलता भी मिली. गांगास पंचायत में वर्षों से रुकी पेयजल पाइप लाइन डाली गयी, वहीँ गोगुन्दा की एक किशोरी ने 3 बाल विवाह रुकवाए.

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सहयोग

डूंगरपुर, उदयपुर और राजसमन्द के 17 कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालयों, उदयपुर के कच्ची बस्ती क्षेत्र में संचालित अपना जतन केंद्र, गोगुन्दा में संचालित प्रोजेक्ट लव तथा बाल विकास परियोजना के अंतर्गत स्कूली किशोर किशोरियों को मुख्य धारा की शिक्षा में सहयोग प्रदान किया गया.

लेवल टेस्टिंग : इस वर्ष सभी 17 कस्तूर बा विद्यालयों तथा प्रोजेक्ट लव के अंतर्गत कोटड़ा और गोगुन्दा के 7 स्कूलों के बच्चों का शैक्षिक स्तर जांचा गया. लेवल टेस्टिंग के बाद अपेक्षाकृत कमज़ोर बच्चों के साथ अलग से विशेष कक्षाएं आयोजित करके उनके स्तर में सुधार के प्रयास किये गए. अपना जतन केंद्र, उदयपुर के स्कूल जाने वाले बच्चों के साथी भी यही रणनीति अपनाई गयी.

मीना मंचों को सक्रिय करना : सभी 17 कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालयों में गठित मीना मंच किशोरी समूहों को तय गाइडलाइन अनुसार सक्रिय करने में जतन की महती भूमिका राइ. मंच की नियमित बैठकें, एक्शन कार्य आदि नियमित रहे.

पुस्तकालय : बाल विकास परियोजना (गोगुन्दा), प्रोजेक्ट लव (गोगुन्दा एवं कोटड़ा) के अंतर्गत तथा कस्तूर बा गाँधी विद्यालयों के पुस्तकालयों को समृद्ध और सक्रिय बनाने में जतन ने काफी प्यास किये. बच्चों की पुस्तकालय तक पहुँच, पुस्तकालयों के समय पर खुलने आदि पर खास ध्यान दिया गया.

अतिरिक्त कक्षाओं का संचालन : प्रोजेक्ट लव के अंतर्गत मांडवा, झेड़, भूला सहित अन्य स्कूलों में बच्चों के लिए अतिरिक्त कक्षाओं का संचालन किया गया. कई स्कूलों में अध्यापकों की कमी के चलते भी विज्ञान, गणित और अंग्रेजी की विशेष कक्षाएं चलाई गयी.

बाल विकास परियोजना, गोगुन्दा के अंतर्गत संचालित बिल्डिंग बेसिक स्किल्स कक्षाओं के माध्यम से स्कूल जाने वाले और ड्राप आउट किशोर किशोरियों के साथ नियमित शिक्षा की ओर प्रयास किये गए.

अपना जतन केंद्र (उदयपुर) में कक्षा 6 से 8 के किशोर किशोरियों को स्कूल के बाद नित्य कोचिंग कक्षाएं नियमित रही. केंद्र पर कक्षा वर बच्चों को रोज़ 2-2 घंटे विविध विषयों पर नियमित अध्यापन करवाया गया.

उच्च शिक्षा में सहयोग एवं मेनस्ट्रीमिंग : गोगुन्दा, सहाड़ा और उदयपुर से इस वर्ष 187 किशोरियों ने आगे की शिक्षा के लिए कदम बढाए. गोगुन्दा और सहाडा में अधिकांश किशोरियों ने दसवीं, बारहवीं और उच्च शिक्षा के ओपन फॉर्म भरे वहीँ अपना जतन केंद्र से जुड़े 07 ड्राप आउट किशोर किशोरियों ने इस साल पुनः विद्यालय में प्रवेश लिया. स्कूल में उनकी नियमित उपस्थिति कोस्कूल विजिट्स के दौरान मोनिटर किया गया और नियमित शिक्षा के लिए सहयोग प्रदान किया गया. आवश्यक सुविधाएं और सामग्री भी उपलब्ध करवाई गयी.

अध्यापक प्रशिक्षण

कस्तूर बा गाँधी विद्यालयों की अध्यापिकाओं के साथ नियमित रूप से अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया. इस दौरान उन्हें सह-शैक्षिक गतिविधियों पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया. जीवन कौशल शिक्षा, जेंडर, प्रजनन स्वास्थ्य आदि विषयों पर उनकी समझ विकसित की गयी.

प्रोजेक्ट लव के तहत गोगुन्दा एवं कोटड़ा में भी अध्यापकों के साथ अभ्यास सत्र आयोजित किये गए. बाल विकास परियोजना के अंतर्गत अध्यापकों के साथ एक दिवसीय संवाद कार्यक्रम आयोजित करके उनके सामने आने वाली चुनौतियों को लिपिबद्ध किया गया.

स्वास्थ्य- पोषण

व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वास्थ्य-स्वच्छता और पोषण पर फोकस करते हुए इस वर्ष जतन के कार्यक्षेत्र में कई गतिविधियाँ आयोजित की गयी. मुख्य फोकस किशोरियों पर रहा. साथ ही कम उम्र में गर्भधारण करने वाली किशोरियों के साथ फोकस्ड कार्य किया गया. किशोरी मेलों के आयोजन के दौरान किशोरियों की नियमित स्वास्थ्य जांच की गयी तथा उन्हें आयरन फोलिक एसिड गोलियों के वितरण में सहयोग किया गया. जतन के कोर विषय प्रजनन स्वास्थ्य तथा माहवारी प्रबंधन पर भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गयी.

जागरूकता निर्माण

सोश्यल एक्शन प्रोजेक्ट्स के दौरान किशोरियों ने अपने अपने गाँव में स्वास्थ्य- स्वच्छता और पोषण से सम्बंधित कई गंभीर मुद्दों को सामने रखा. इस दौरान विशेष रूप से किशोरियों के व्यक्तिगत स्वास्थ्य, खून की कमी, उचित खान पान की कमी जैसे विषय भी निकल कर आये. इस पर स्वास्थ्य विषय पर लगातार समूहों में चर्चा की गयी. इस दौरान स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के साथ किशोरी समूहों की संयुक्त बैठकें करवाई गयी और विभागों की योजनाओं के लाभ के बारे में विस्तार से बताया गया.

इस दौरान आंगनवाड़ी केंद्र से मिलने वाले पोषाहार, आयरन टेबलेट्स, स्वस्थ्य जांच आदि से किशोरियों को जोड़ा गया. समुदाय के साथ भी इन विषयों पर लगातार चर्चा की गयी. बाल विकास परियोजना के अंतर्गत चयनित किशोर किशोरियों को स्वच्छता किट भी वितरित किये गए.

खेल

बाल विकास परियोजना के अंतर्गत सबसे पहले खेलों के माध्यम से किशोर किशोरियों के बेहतर स्वास्थ्य की अवधारणा सामने रखी गयी. मार्च 2018 में गोगुन्दा के मजवाद में अलग-अलग गांवों के 150 से अधिक किहोर किशोरियों के बीच खेल महाकुम्भ का आयोजन किया गया. यह अपनी तरह का अनूठा आयोजन था. इस दौरान अलग अलग स्टाल लगाकर बच्चों को अच्छी सेहत, बेहतर खान पान के बारे में जागरूक किया गया.

हिलोर (गोगुन्दा) तथा सहाडा की किशोरियों ने किशोरी मेले में अलग अलग खेलों के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य में खेलों के महत्त्व को जाना समझा. इस दौरान पारंपरिक खेलों और आधुनिक खेलों का मिला जुला संगम दिखाई दिया. प्रोजेक्ट लव के अंतर्गत गोगुन्दा और कोटड़ा के बच्चों ने उदयपुर स्थित फतहसागर की पाल पर विभिन्न खेल खेले और शहरी बच्चों को ग्राम्य खेलों से रूबरू करवाया.

नियमित स्वास्थ्य जांच

आंगनवाडी केन्द्रों पर नियमित रूप से किशोरियों और नव प्रसूता माताओं की जांच के साथ साथ कई अन्य गतिविधियों के साथ किशोर किशोरियों की नियमित्स्वस्ति जांच की गयी और आवश्यकता होने पर राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के सहयोग से 13 किशोर किशोरियों को जिला अस्पताल रेफर किया गया.

अपना जतन केंद्र पर त्रेमासिक स्वास्थ्य जांच का आयोजन किया गया. निजी अस्पताल के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में सभी किशोर किशोरियों की ग्रोथ, रक्ताल्पता, आँख-कान-गला, त्वचा, दांत आदि की जांच की गयी. अच्छी स्वास्थ्य- स्वच्छता की आदतों के बारे में जागरूक किया गया. बाल विकास परियोजना के अंतर्गत गोगुन्दा के 35 गांवों के द्वितीय एवं तृतीय समूह (6 वर्ष से 24 वर्ष) के साथ भी नियमित स्वास्थ्य जाँच निजी अस्पताल के सहयोग से मजाम, मजवाद एवं अन्य पंचायतों में की गयी. आवश्यकता होने पर डायग्नोसिस के लिए उदयपुर रेफर किया गया.

यौन- प्रजनन स्वास्थ्य एवं माहवारी प्रबन्धन

जतन के कोर इश्यू यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य तथा माहवारी प्रबंधन पर जतन के परियोजना क्षेत्रों के साथ साथ अन्य सामाजिक संस्थाओं के साथ इस विषय पर गहनता से योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया गया.

विषय पर व्याप्त चुप्पी को तोड़ने सहित किशोर किशोरियों की जिज्ञासाओं के समाधान सहित माहवारी पबंधन पर सक्रियता पूर्वक समझ बनाई गयी.

सामुदायिक स्वास्थ्य पर चर्चा

बाल विकास परियोजना के अंतर्गत स्वच्छता किट वितरण क साथ साथ उनके अभिभावकों, ग्राम सभा, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति आदि के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य पर किशोर किशोरियों तथा अन्य समुदाय सदस्यों के साथ व्यापक चर्चा की गयी. ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति (VHSNC) की नियमित बैठकों और अनटाइड फंड के पूरे उपयोग पर समिति सदस्यों के साथ सत्र आयोजित किये गए.

पुष्पा ने जब पहली बार सुना कि खेती बाड़ी का भी कोई प्रशिक्षण होता है तो वह हंस पड़ी. बोली, यह तो उसके पिताजी भी सिखा देंगे. पर जब वह उन्नत कृषि प्रशिक्षण से जुडी तो उसने कई नयी बातें सीखी. प्रशिक्षण के पश्चात खेत के छोटे हिस्से में मिर्ची की रोप लगाईं.

जब मिर्ची की पैदावार हुई तो पुष्पा की माँ देवीबाई को अपनी पुष्पा पर गर्व हो उठा. पुष्पा अपनी पढ़ाई के बाद का समय खेतों में देती है. वह अब फूलों की खेती करना चाहती है.

फोटो : ओम

क्षमतावर्धन

व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं पदस्थापन के साथ साथ इस वर्ष किशोर किशोरियों के विभिन्न ट्रेड में क्षमतावर्धन और नयी सूचना- तकनीकी सीखने पर भी रहा. अपना जतन के किशोर किशोरियों ने नाट्य में अपने हुनर को प्रस्तुत किया. 03 किशोरियों ने किशोरी रिपोर्टर प्रशिक्षण में भाग लेकर गाँव की समस्याओं को मीडिया तक प्रभावी तरीके से पहुँचाया.

कौशल विकास एवं पदस्थापन

रेलमगरा और सहाडा की किशोरियों के लिए सितम्बर में 2 व्हीलर चलाना, कंप्यूटर प्रशिक्षण और व्यावसायिक सिलाई प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. इसमें 147 किशोरियों ने सहभागिता निभाई. हिलोर,गोगुन्दा की 234 किशोरियों ने इलेक्ट्रिक फिटिंग, कंप्यूटर हार्डवेयर, सिलाई, मोबाइल रिप्येरिंग आदि प्रशिक्षणों में भाग लिया.

दिसंबर में अलग अलग परियोजनाओं से संबंद्ध 23 युवाओं ने 3 दिवासी विडियोग्राफी प्रशिक्षण में सहभागिता निभाई.

फेलोशिप / आंत्रप्रेन्योरशिप

प्रोजेक्ट लव के अंतर्गत देश भर के युवाओं को गाँव में रहकर बच्चों की शिक्षा और सर्वांगीण विकास के लिए फेलोशिप के लिए आमंत्रित किया गया. 08 फेलो पूरे वर्ष कोटडा और गोगुन्दा में रहे और स्थानीय स्कूलों में शिक्षा में सहयोग किया . 13 युवाओं ने 03 दिवसीय आंत्रप्रेन्योरशिप पर प्रशिक्षण प्राप्त किया.

वित्तीय कौशल

उदयपुर के कच्ची बस्ती क्षेत्र, रेलमगरा, गोगुन्दा और सहाडा में 65 किशोर किशोरियों के साथ वित्तीय लेनदेन, बैंकिंग व्यवस्था और उसका उपयोग, बचत आदि पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया.

उन्नत कृषि एवं बकरी पालन

मई-जून में बाल विकास परियोजना से संबंद्ध 23 किशोर किशोरियों के साथ उन्नत खेतीबाड़ी पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया. प्रशिक्षण में मेनुअल कृषि उपकरणों का उपयोग, श्रम न्यूनीकरण, मिट्टी और पानी की जाँच आदि पर प्रशिक्षण दिया गया. दिसंबर में 09 युवाओं ने बकरी पालन पर प्रशिक्षण प्राप्त किया.

किशोरी मेला एवं लर्निंग फेस्टिवल

सहाडा में लगातार चौथे साल किशोरी मेला "उम्मीदों का सफ़र" आयोजित किया गया. 500 किशोरियों के लिए आयोजित इस मेले में विविध सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक प्रयास, विविध प्रशिक्षणों की जानकारी, स्वास्थ्य जांच, खेल कूद, नाच गाना आदि के साथ पूरे दिन किशोरियों के साथ विविध सत्र आयोजित किये गए,.

वीडियो देखने के लिए निम्न क्यू आर कोड को अपने मोबाइल फोन से स्केन करें या निम्न यूट्यूब लिंक पर जाएँ.

https://www.youtube.com/watch?v=NE7HfNZEn10&t=99s

नेटवर्किंग /संवाद

सहाडा, गोगुन्दा, उदयपुर और रेलमगरा के किशोर किशोरियों ने इस वर्ष पुलिस थाना, ग्राम पंचायत, अस्पताल, ब्लाक मुख्यालय, कलक्टर कार्यालय आदि की विजिट्स करके वहां की कार्यप्रणाली को समझा और अपने मुद्दों को सक्षम अधिकारियों के सामने रखा.

पंचायतीराज के साथ

सहाड़ा के 10 पंचायतों की किशोरियों ने पूरे साल निर्वाचित महिला जन प्रतिनिधियों के साथ मिलकर अपनी समझ और ग्राम विकास में स्वयं की भूमिका पर सक्रियता से काम किया. इन किशोरियों ने गाँव की विविध समस्याओं को हल करने में महिला जन प्रतिनिधियों के साथ मिलकर ज्ञान दिया आयर आवाज़ बुलंद की. इसके परिणाम भी शानदार रहे.2 पंचायतों में पेयजल पाइप लाइन स्वीकृत हो कर काम शुरू हुआ, वहीँ ग्राम पंचायतों में रोडवेज़ बसें शुरू हुई.

फोटो : ओम

महिलाओं के साथ...

परिचय

साल 2001 में प्रवासी युवाओं के साथ काम करने के दौरान यह पाया गया कि पुरुषों के प्रवास के दौरान उनकी सहयोगिनियों के स्वास्थ्य का सही प्रकार से ध्यान रखने वाला कोई नहीं रहता ! ससुराल में घूंघट प्रथा के चलते युवतियां अपने स्वास्थ्य के बारे में ठीक से बात नहीं कर पाती. इए में अगर कोई प्रजनन- यौन संबधी दिक्कत हो तो और अधिक परेशानी ! बस यही से जतन ने महिलाओं के स्वास्थ्य के विषय पर काम करना शुरू किया. कालांतर में इसमें बाल विवाह और HIV जैसे विषय जुड़ते गए.

शुरुआत से ही जतन ने प्रजनन स्वास्थ्य एवं माहवारी प्रबन्धन पर भी काम आरम्भ किया. महिलाओं के साथ पुरुषों को भी इस से जोड़ा गया. स्थानीय स्तर पर यूज्ड सूती कपड़ों से महिलाओं के लिए पेड निर्माण आरम्भ हुआ, जिसने बाद में "उगेर" के रूप में एक बड़े अभियान की शक्ल ले ली.

स्थापना के दूसरे ही वर्ष 2002 में एक नये युग की शुरुआत हुई, जब द हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग से महिला जनप्रतिनिधियों के क्षमतावर्धन पर रेलमगरा में काम की शुरुआत हुई. क्षेत्र के महिला नेतृत्व को मज़बूत करते हुए विकास की नयी राह पर यह एक मील का पत्थर साबित हुआ.

वर्ष 2006 में चेतना अहमदाबाद के साझे में मातृत्व स्वास्थ्य एवं पोषण पर पैरवी के साथ जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य- पोषण और सुरक्षा पर जतन ने राजसमन्द जिले में पहली बार ग्राम स्तर पर ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति (वीएचएसएनसी) और रोगी कल्याण समिति (राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी कमिटी) को मज़बूत करने की ओर कदम बढ़ाये.

2013 में महिलाओं पर हो रही हिंसा के विरुद्ध राज्य सरकार के साथ मिलकर जिला महिला पुलिस थाना में महिला सलाह सुरक्षा केंद्र की स्थापना हुई. 2016 में परिवार परामर्श केंद्र की स्थपना के साथ अधिक सक्रियता से महिला हिंसा के मामलों में जतन ने पैरवी की नयी शुरुआत की.

आज जतन महिलाओं के साथ राजसमन्द के साथ साथ उदयपुर और भीलवाड़ा जिले में सक्रियता पूर्वक कार्य कर रही है. पिछले 18 वर्षों में बदलाव की पहल अब दिखाई देने लगी है, जब स्थानीय समुदाय अपने अधिकारों को लेकर अधिक जागरूक हुआ है और महिलाएं अधिक संख्या में बाहर आकर अपने अधिकारों के लिए आवाज़ मुखर करने लगी है.

फोटो : ओम

साथी- सहयोगी

CHETNA
For Women Young people Children

ChildFund India

INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY MADRAS

NORTH EASTERN COUNCIL
Ministry of DoNER

SPARK MINDA
ASHOK MINDA GROUP
Foundation

TATA TRUSTS

THE HUNGER PROJECT

(All logos are in alabatic order)

पंचायतीराज

क्षमतावर्धन एवं सहयोग

महिला पंच सरपंच संगठन

संवाद

महिला जागरूक मंच

हिंसा के विरुद्ध

परिवार परामर्श केंद्र

हिंसा के विरुद्ध अभियान

समन्वय

स्वास्थ्य- पोषण

मातृत्व स्वास्थ्य

पोषण

बेटियों की बातें

उगेर

प्रजनन एवं माहवारी प्रबन्धन

पैड्स निर्माण प्रशिक्षण

पैरवी

पुरुष और माहवारी

2500 से अधिक हिंसा की शिकार महिलाओं को सहायता मिली

930 महिला जनप्रतिनिधियों, **4500** जागरूक मंच सदस्याओं सहित 37000 महिलाओं तक सीधी पहुँच

18500 महिलाओं और किशोरियों को मिला प्रजनन स्वास्थ्य और माहवारी प्रबंधन प्रशिक्षण

परियोजनाएं

हिलोर (गोगुन्दा); ग्राम पंचायतों के साथ मिलकर किशोरियों का सशक्तिकरण (सहाड़ा); प्रज्वला (राजसमन्द), बेहतर शिक्षा से वंचित किशोरियों का सशक्तिकरण (राजसमन्द, डूंगरपुर, उदयपुर) बाल विकास परियोजना (गोगुन्दा); चाइल्डलाइन 1098 (राजसमन्द); अपना जतन केंद्र (उदयपुर); प्रोजेक्ट लव (गोगुन्दा एवं कोटड़ा); उगेर (उदयपुर)

पंचायतीराज में महिला सशक्तिकरण

द हंगर प्रोजेक्ट,जयपुर के सहयोग और मार्गदर्शन में जतन संस्थान निर्वाचित चयनित महिला जनप्रतिनिधियों के साथ वर्ष 2002 से कार्य कर रही है. रेलमगरा (राजसमन्द) तथा सहाड़ा (भीलवाड़ा) में गठित महिला पंच- सरपंच संगठन महिला जनप्रतिनिधियों को उनके अधिकार स्पष्ट करते हुए उनकी भागीदारी को बढाने हेतु सक्रिय रूप से काम के लिए समझ विकसित करने तथा समय समय पर विविध गतिविधियों द्वारा क्षेत्र विकास के मायने स्पष्ट करने के लिए कार्य जारी है. परस्पर समझ और एकता से कार्य करने के दौरान आ रही चुनौतियों का सामना करने की कला ये संगठन विकसित कर चुके हैं.

महिला जनप्रतिनिधियों को उनके अधिकारों की जानकारी देते हुए क्षमता विकास द्वारा ग्राम विकास ही परियोजना का मुख्य उद्देश्य है, जहाँ महिलाओं के हकों और उनसे जुड़े मुद्दों की पैरवी प्रमुख है.

यह साल महिला जनप्रतिनिधियों के लिए अपने काम को पूरा करने और प्रदर्शित करने के लिहाज से आखिरी वर्ष रहा. वर्ष 2019-2020 में आगामी चुनावों को देखते हुए प्रत्येक जनप्रतिनिधि के कामों को जनता के सामने रखने के लिए इस साल काफी महत्वपूर्ण रहा. साथ ही ग्राम पंचायत डवलपमेंट फंड पर भी इस साल काफी काम हुआ.

क्षमतावर्धन एवं सहयोग

महिला जन प्रतिनिधियों की इस वर्ष मुख्यतः ग्राम पंचायत विकास निधि (जीपीडीपी) सहित विविध मद से विकास के लिए राशि के आवेदन पर क्षमता बढ़ाई गयी. मई में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों, मनरेगा सहित रोज़गार आदि पर नियमित रूप से कार्यशालाएं आयोजित की गयी.

जनवरी 2019 में पंचायत की अब तक की प्रगति को साझा करने के उद्देश्य से पंचायत रिपोर्ट कार्ड निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया. इसके पीछे मुख्य उद्देश्य विगत वर्षों की प्रगति को समुदाय के साथ साझा करना रहा.

राज्यस्तर पर सरकार के समक्ष उठाये जा सकने योग्य विषयों की पहचान, सबूत एकत्रण, दस्तावेजीकरण अदि पर भी महिला जनप्रतिनिधियों की समझ इव वर्ष विकसित की गयी.

फोटो : ओम

अस्पताल के हालात बदले तो सुधरा मातृत्व स्वास्थ्य

लाखोला (सहाड़ा) में महिला चिकित्सक नहीं होने के कारण कोई महिला अपनी जांच वहां करवाने नहीं जाती थी. सरपंच कंचन देवी को बड़ा बुरा लगता था कि अस्पताल होने के बावजूद महिलाएं प्रसव के लिए 20 किलोमीटर दूर गंगापुर जाती थी. कंचन देवी ने इस काम को प्राथमिकता से लिया और महिला पंच सरपंच संगठन के सहयोग से जिला स्तर पर लगातार ज्ञापन देकर सहायता मांगी. परिणाम यह हुआ कि लाखोला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को महिला चिकित्सक मिली.

डॉ. रिनू जीनगर, जिनकी यह पहली नियुक्ति थी, बताती हैं कि जिस अस्पताल में एक भी प्रसव नहीं होता था, वहां आज हर महीने अनुमानित 12-14 प्रसव हो रहे हैं. अस्पताल में सरपंच के सहयोग से इतनी अच्छी सुविधाएं है कि इसे स्वास्थ्य विभाग ने आदर्श प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घोषित किया है. यहाँ भर्ती की सुविधा भी उपलब्ध है.

कंचन देवी चहकते हुए कहती है, यहाँ महीने में जितनी डिलीवरी होती है, उतनी तो गंगापुर में भी नहीं होती.

फोटो : कन्हैयालाल

महिला पंच सरपंच संगठन

रेलमगरा एवं सहाडा में सभी चार तिमाहियों में महिला जनप्रतिनिधियों के संगठन "महिला पंच- सरपंच संगठन" की त्रेमासिक बैठकें जतन परिसर में आयोजित हुई. पारस्परिक सहयोग से क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए यह वर्ष काफी उपलब्धियों भरा रहा. बैठकों में बालिका शिक्षा पहल,पंचायत स्तर पर महिला उठान समितियों के गठन, परामर्श मंडल की भूमिका, पेयजल, सड़क, बिजली, शराब के ठेके हटवाने, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन, सामाजिक कुरीतियों की रोकथाम आदि विषयों पर सार्थक चर्चाएं आयोजित हुई. इस दौरान विगत वर्ष की संगठन की उपलब्धियों पर भी चर्चा हुई. केवल रेलमगरा में महिला जनप्रतिनिधियों ने व्यक्तिगत श्रेणी में समस्याओं के निराकरण के लिए 222 ज्ञापन दिए.

संवाद

जिला स्तर पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में महिला जनप्रतिनिधियों ने लोकसभा तथा विधानसभा चुनावों में दोनों प्रमुख दलों के प्रत्याशियों से मुलाकात कर उनके एजेंडा को समझा तथा अपने विषयों को उनके घोषणा पत्र में जुड़वाया.

चुनाव पश्चात सांसद तथा विधायकों से मिलकर दोनों ही उपखंडों की महिला जनप्रतिनिधियों ने उनके वादे याद दिलाये आयर समय समय पैरवी की भी बात कही. उनके इन प्रयासों के परिणामस्वरूप क्षेत्र में महिला स्नानागार निर्माण, पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन सहित स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे परिणाम देखने को मिले. कई स्कूलों में अध्यापकों के रिक्त पद भरे गए.

महिला जागरूक मंच

रेलमगरा एवं सहाडा की 10-10 पंचायतों में महिला जनप्रतिनिधियों की सहायता के लिए गठित किये गए महिला जागरूक मंच समूहों की बैठकें नियमित रही. महिला जागरूक मंच की महिलाएं जहाँ वर्तमान नेतृत्व के कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करने में समुदाय के साथ मिलकर काम करती है, वहीँ पंचायतीराज के काम को नजदीक से देख समझ कर आगामी चुनाव के लिए स्वयं को तैयार करती है.

उल्लेखनीय है कि प्रत्येक महिला जागरूक मंच में अनुपातिक 33 महिला सदस्य हैं.

काम से बनी पहचान

राजसमन्द- भीलवाड़ा की महिला जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली की प्रशंसा राष्ट्रीय स्तर तक है. बालिका शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम हुए हैं. इस वर्ष सहाडा के पंच सरपंच संगठन ने अपने निजी प्रयासों से ब्लाक में महाविद्यालय स्वीकृत करवाया, वहीँ राजसमन्द में संगठन के ज्ञापन के बाद राज्य सरकार ने जिला प्रशासन को सघन रूप से काम करने के निर्देश दिए. कई महिला सरपंचों को राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया है. इस समय 29 महिला सरपंच और 279 महिला वार्डपंच अपने काम से पहचानी जा रही है.

ग्राम पंचायत बजट खर्च स्थिति

वर्ष 2015 से वर्ष 2018

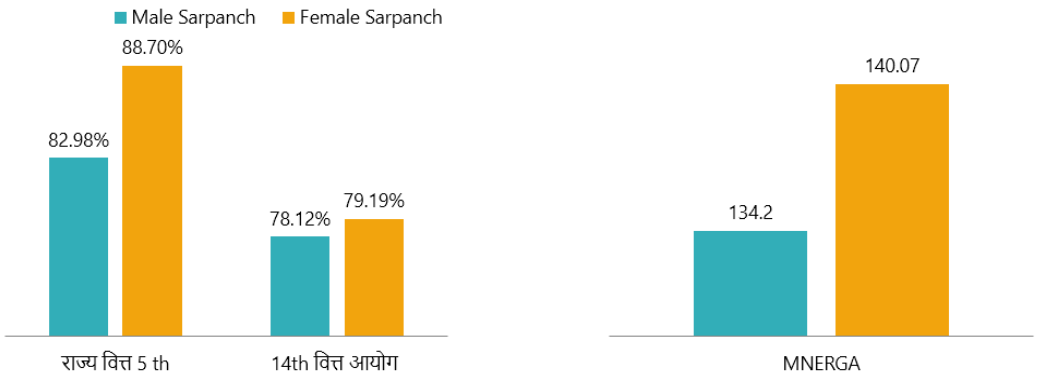

स्त्रोत: पंचायत समिति, रेलमगरा

रेलमगरा एवं सहाडा में पंचायतों को वित्त आयोग से प्राप्त बजट का विश्लेषण करने पर पाया कि महिला सरपंच प्रतिनिधित्व वाली पंचायतों में राशि व्यय का प्रतिशत पुरुष सरपंचों से काफी बेहतर है. राज्य वित्त (V) के अनुसार प्राप्त राशि को जहाँ पुरुष सरपंच 83% खर्च कर पाए, वहीँ महिला सरपंचों ने लगभग 89% खर्च किया. चौदहवें वित्त आयोग में भी महिला सरपंचों ने बाजी मारी. महात्मा गाँधी नरेगा कार्यक्रम में भी महिला सरपंच प्रतिनिधित्व वाली पंचायतें आगे रही. पुरुष सरपंचों ने जहाँ 134 लाख रुपये मनरेगा में व्यय किये वहीँ महिला सरपंचों ने 140 लाख रुपये व्यय किये.

हिंसा के विरुद्ध

"रूपा बाई को उसका पति पीहर में पांच बेटियों के साथ छोड़कर किसी और महिला को नाते ले आया. रूपा का कसूर ये था कि उसने लगातार 5 बेटियों को पैदा किया था और उसके परिवार को बेटा नहीं दे पाई थी. जतन के संज्ञान में आते ही पहले समुदाय स्तर पर और फिर पुलिस की सहायता से उसके पति को पाबंद करते हुए रूपा को संपत्ति में बराबर हिस्सा दिलवाया गया और बेटियों के लालन पालन के लिए मासिक भरण पोषण तय करवाया गया."

परिवार परामर्श केंद्र

2016 से जिला स्तर पर जतन द्वारा गठित परिवार परामर्श केंद्र "उम्मीद" में इस वर्ष कुल 52 परिवाद प्रस्तुत हुए, जबकि 60 से अधिक अन्य मामलों में स्थानीय पुलिस थानों द्वारा जतन से सहायता मांगी गयी. जतन में दर्ज हुए अधिकांश मामले पुरुष साथी द्वारा मारपीट, भरण पोषण से वंचित रखने से सम्बंधित थे. कुछ मामलों में आर्थिक हिंसा के साथ साथ समय पर इलाज नहीं कराने, बेमेल विवाह, डायन कहकर प्रताड़ना जैसे मामले भी सामने आये.

इस वर्ष कुल दर्ज मामलों में से 70% मामलों को सुलझा लिया गया और अंतरिम सहायता दिलाते हुए लगातार फोलो-अप लिया गया. शेष मामलों में परामर्श और पुलिस परिवाद जारी है. यह केंद्र लगातार तीन वर्षों से जतन द्वारा संचालित एवं वित्त पोषित परियोजना है. इसे रेलमगरा के साथ राजसमन्द जिला स्तर पर संचालित किया जा रहा है.

हिंसा के विरुद्ध अभियान

लगातार 06 वर्षों से जारी महिलाओं के प्रति हिंसा के विरुद्ध अभियान पखवाडा इस साल भी फ़रवरी में सहाडा और रेलमगरा में आयोजित किया गया. इस दौरान चेतना रथ के द्वारा दोनों ब्लाक की 10-10 पंचायतों में प्रदर्शनी, रैली, पोस्टर, नुक्कड़ चर्चा आदि माध्यमों से जागरूकता निर्माण किया गया. इस अभियान के द्वारा 5000 से अधिक घरों तक सीधी पहुँच बनी जबकि 45000 से अधिक लोगों तक पहुँच बनाई गयी.

बाल विवाह के विरुद्ध

अगस्त में राजसमन्द जिले में UNFPA के सहयोग से जिला स्तरीय "बाल विवाह के विरुद्ध" रथ यात्रा का आयोजन जतन द्वारा किया गया. इस रथ यात्रा को उच्च शिक्षा मंत्री किरण माहेश्वरी ने झंडी दिखाकर रवाना किया. रथ यात्रा ने 60 दिन में राजसमन्द जिले के हर ब्लाक में दस्तक दी. रात्रि विश्राम के दौरान 45 पंचायतों में बाल विवाह के नुकसानों से प्रेरित फिल्में प्रदर्शित की गयी.

सहाडा ब्लाक के आमली पंचायत में सितम्बर में बाल विवाह के विरुद्ध चेतना निर्माण अभियान की शुरुआत स्थानीय किशोरी समूह ने वार्डपंच के सहयोग से की. यह अभियान धीरे धीरे बढ़ते हुए पूरे गंगापुर क्षेत्र में फ़ैल गया. इस अभियान के तहत 09 पंचायतों में व्यापक जन जागरूकता का निर्माण हुआ.

गोगुन्दा में हिलोर परियोजना के अंतर्गत चलित अभियान ने भी 165 आंगनवाडी केन्द्रों पर स्थानीय जन समुदाय को बाल विवाह के दुष्परिणामों से परिचित करवाया.

समन्वय

राजसमन्द, खासकर रेलमगरा थाना पुलिस ने महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के 60 से अधिक मामलों में सीधे जतन से सहायता मांगी, इन मामलों में जतन के परामर्शदाताओं ने थाना में जाकर परिवादियों से मुलाकात कर केस को अंजाम तक पहुंचाने में सहायता की. जिला प्रशासन, पुलिस, जिला विधिक सहायता केंद्र, बार असोसिएशन आदि का उम्मीद परामर्श केंद्र को काफी सहयोग मिला.

फोटो : छोगालाल

स्वास्थ्य – पोषण

गर्भवती- धात्री महिलाओं के उचित पोषण एवं स्वास्थ्य, किशोरियों के उचित खान-पान, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के उचित क्रियान्वयन के साथ साथ ग्राम स्तर पर राजकीय योजनाओं की स्थिति से बदलाव की पैरवी सहित इस वर्ष महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य और पोषण के साथ साथ बेटियों के सम्मानित जीवन के लिए कई सामुदायिक प्रयास किये गए. इसमें आंगनवाडी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम के प्रशिक्षण भी किये गए.

फोटो : ओम

मातृत्व स्वास्थ्य एवं पोषण

गोगुन्दा के 25 गांवों सहित राजसमन्द, रेलमगरा और खमनोर की 102 पंचायतों में गर्भवती- धात्री महिलाओं के साथ जच्चा-बच्चा के बेहतर स्वास्थ्य के लिए "सकारात्मक बदलाव" कार्यक्रम के रूप में सतत कार्य किया गया. गोगुन्दा में चयनित महिला स्वयंसेवकों को "लीड मदर" के रूप में चयनित करके उन्हें लगातार प्रशिक्षण दिए गए. इन स्वयंसेवकों के जिम्मे अपने अपने फले और गाँव में गर्भवती – धात्री महिलाओं और उनके बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण की देखभाल की जिम्मेदारी है. समुदाय आधरित इस मॉडल के खासे अच्छे परिणाम देखने को मिले. सबसे बेहतर परिणाम नियमित आयोजित होने वाले "मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य दिवस एवं टीकाकरण (MCHND) के परिणामों से हुआ, जहाँ गर्भवती- धात्री महिलाओं के टीकाकरण की स्वास्थ्य जांच में उपस्थिति का का प्रतिशत 72% से बढ़कर 88% हुआ.

क्षमतावर्धन कार्यशालाएं : राजसमन्द में ख़ुशी परियोजना के अंतर्गत बच्चों के साथ साथ गर्भवती धात्री महिलाओं के उचित स्वास्थ्य के लिए नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गए. हर तिमाही में आंगनवाडी स्तर पर माताओं की विशेष बैठकों में विषय विशेषज्ञों ने सत्र लिए. इनमे हर तिमाही औसतन 11,500 महिलाओं तक पहुँच बनी. इसके अतिरिक्त लगातार आयोजित किये रेसिपी निर्माण प्रतियोगिता के द्वारा पोषण पर विशेष फोकस किया गया. किचन गार्डन और रेसिपी निर्माण कार्यशालाओं के बहुत परिणाम सामने आये.

पंचायतों की सहभागिता: रेलमगरा और सहाडा में महिला जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर पंचायतीराज, महिला बाल विकास और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के साथ अन्य विभागों के समन्वय पर विशेष सत्र आयोजित किये गए. जन प्रतिनिधियों को महिला स्वास्थ्य और उस से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशील करते हुए सम्बंधित मुद्दों पर कार्य करने, जीपीडीपी में पर्याप्त बजट जारी करने और उसके फोलो अप के लिए क्षमतावर्धन किया गया.

रोगी कल्याण समिति के साथ: रेलमगरा में नियमित रूप से रोगी कल्याण समिति (राजस्तान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी) की बैठकें आयोजित करके सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में व्यवस्थाओं में विस्तार और सुधार के सफल प्रयास किये गए.

सृष्टिदायिनी सम्मान

पुत्र की चाह में बार बार गर्भधारण के विरुद्ध जागरूकता बनाने, गिरते शिशु लिंगानुपात को नियंत्रित करने और बेटियों के सम्मानित जीवन की पुनर्स्थापना के उद्देश्य से "बेटियों की बातें" अभियान के तहत राजसमन्द जिले में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गए.

जिन अभिभावकों के एक या दो बेटियां हैं और जो अब और बच्चा नहीं चाहते, उन्हें "सृष्टिदायिनी सम्मान" दिया गया. इस वर्ष कुल 31 दम्पत्तियों को यह सम्मान प्रदान किया गया. अब तक कुल 980 से अधिक दम्पत्तियों को यह सम्मान प्रदान किया जा चुका है.

प्रजनन स्वास्थ्य एवं माहवारी प्रबंधन

गर्भवती- धात्री महिलाओं के उचित पोषण एवं स्वास्थ्य, किशोरियों के उचित खान-पान, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के उचित क्रियान्वयन के साथ साथ ग्राम स्तर पर राजकीय योजनाओं की स्थिति से बदलाव की पैरवी सहित इस वर्ष महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य और पोषण के साथ साथ बेटियों के सम्मानित जीवन के लिए कई सामुदायिक प्रयास किये गए. इसमें आंगनवाडी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम के प्रशिक्षण भी किये गए.

प्रोजेक्ट उगेर

उगेर (*मेवाड़ी भाषा में इसका मतलब है, एक नयी शुरुआत*) माहवारी के मुद्दे पर चुप्पी को तोड़ने और इस मुद्दे पर लोगों में जागरूकता लाने के लिए चलाया जा रहा महिला सशक्तिकरण अभियान है. इसके तहत नियमित माहवारी प्रबंधन और माहवारी स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर अध्ययन और चेतना निर्माण जैसी गतिविधियों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है.

सूती, पर्यावरण अनुकूल और पुनः इस्तेमाल किये जा सकने वाले सेनेटरी पेड 'उगेर' के निर्माण का प्रशिक्षण देना इस वर्ष भी नियमित रहा. स्वास्थ्य पर्यावरण अनुकूल और माहवारी प्रबंधन के बेहतर सतत विकल्प के लिए बनाये जा रहे इस पेड को जतन द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि बाज़ार में मिलने वाले डिस्पोजल सेनेटरी पेड से होने वाले आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य सम्बन्धी हानियों के प्रति समुदाय को जागृत किया जा सके.

फोटो : ओम

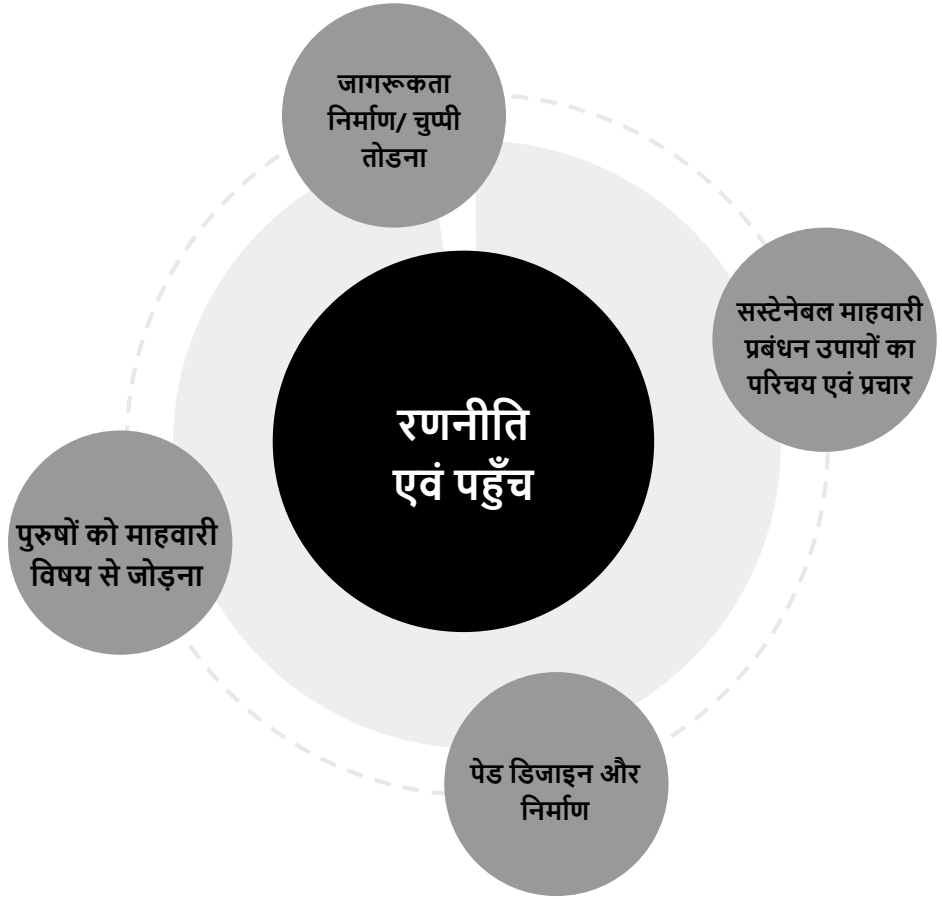

विभिन्न राज्यों के साथ समन्वय

इस वर्ष मुख्यतः भारत सरकार (नार्थ ईस्ट विकास एवं अन्य मामलात मंत्रालय) के सहयोग से आई आई टी, चेन्नई के संयोजन में नार्थईस्ट राज्यों मेघालय, असम, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ उगेर कार्यक्रम की शुरुआत हुई. हरियाणा सरकार, बिहार सरकार, राजस्थान सरकार के महिला एवं बाल विकास तथा महिला अधिकारिता विभागों के साथ जतन ने इस विषय पर समन्वय किया.

पुरुषों के साथ चेतना निर्माण कार्य

माहवारी केवल पुरुषों का मसला नहीं है, यह पूरे समाज का विषय है; इसी सोच के साथ लगातार जतन ने पुरुषों और किशोरों को माहवारी प्रबंधन पर प्रशिक्षण देना जारी रखा. इस दौरान पुरुषों ने विषय पर समझ के साथ साथ उगेर पैड्स बनाना भी सीखा. इस वर्ष अधिकांश प्रशिक्षणों में पुरुष प्रशिक्षक शामिल हुए.

इंटर्न और स्वयंसेवकों के साथ साथ जतन की टीम और साथी संस्थाओं के कार्मिकों को भी इस विषय पर संवेदनशील किया गया. प्रजनन स्वास्थ्य और माहवारी प्रबंधन विषय पर समझ बनाते हुए सभी प्रशिक्षु पुरुषों को उगेर पैड्स भी बनाना सिखाया.

फोटो : राजदीप

राष्ट्रीय यंग इनोवेशन अवार्ड

पुणे में 17 नवम्बर को आयोजित छठी राष्ट्रीय यंग इनोवेशन कार्यशाला (NCSI) में जतन के "उगेर कार्यक्रम" को पहचान देते हुए महाराष्ट्र शासन के केबिनेट मंत्री गिरीश बापट द्वारा सम्मानित किया गया. यह पुरस्कार डॉ. कैलाश बृजवासी और स्मृति केडिया ने ग्रहण किया.

फोटो : NCSI से साभार

साथी संस्थाओं और सीएसआर के साथ उगेर

हिंदुजा सोल्यूशंस फाउंडेशन ने महिला दिवस के मौके पर बंगलुरु, मैसूरू, गुंटूर, हैदराबाद और चेन्नई के राजकीय स्कूलों में 700 किशोरियों को 2,800 उगेर पैड्स वितरित किये. स्पार्कमिंडा फाउंडेशन (दिल्ली) ने जतन से बड़ी संख्या में उगेर पैड्स की खरीद कर उन्हें अपने अपने क्षेत्रों में वितरित किया.

स्पार्क मिंडा फाउंडेशन के सहयोग से श्रीपेरम्बदूर (तमिलनाडु), पन्तनगर (उत्तराखंड), राजगुरुनगर (पुणे ग्रामीण), नोएडा (उप्र) और हिसार (हरियाणा) में 530 महिलाओं के साथ दो बार प्रजनन स्वास्थ्य और उगेर पेड निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की. टाटा ट्रस्ट के साथ जुड़कर दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में उगेर को अपने विस्तार का क्षेत्र मिला. पुणे के द ऑर्किड होटल समूह ने महिला दिवस के मौके पर अपने स्टाफ के लिए माहवारी स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण आयोजित किया तथा अपने होटल को प्रयावार्ण मित्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ते हुए उगेर उत्पादों को अपनी होटल में जगह दी.

आई डी एस (जयपुर), यूएनएफपीए, यूनिसेफ, प्लान इण्डिया, जागृति यात्रा (बंगलुरु), एएमआईईडी, विद्या भवन, द स्टडी स्कूल, केजीबीवी- राजस्थान, टेक्नोसर्व इण्डिया, सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च, उरमूल सीमान्त, सेवा मंदिर, आज़ाद फाउंडेशन आदि के साथ जतन ने इस वर्ष माहवारी प्रबंधन और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों में सहभागिता की.

शैक्षणिक संस्थाओं के साथ उगेर

कई शैक्षणिक संस्थाओं के छात्र भी इस कार्यक्रम के साथ जुड़े. सृष्टि स्कूल ऑफ़ डिजाइन (बंगलुरु), आई आई टी चेन्नई, आई आई टी मुंबई, आई आई एम उदयपुर, निरमा यूनिवर्सिटी (अहमदाबाद), सिम्बायोसिस इंस्टिट्यूट ऑफ़ डिजाइन (पुणे), नार्थ-वेस्टर्न यूनिवर्सिटी (अमेरिका) और फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल डवलपमेंट (कनाडा) के प्रशिक्षुओं ने उगेर कार्यक्रम के तहत अपने प्रशिक्षण को जारी रखा.

साथियों- समुदाय के साथ...

परिचय

इस वर्ष जतन ने न केवल स्वयं बल्कि अन्य साथी संस्थाओं को मार्गदर्शन और मेंटरशिप प्रदान करते हुए अपनी जिम्मेदारी निभाई वहीँ समुदाय आधारित समितियों को मजबूती देने और उनके क्षमतावर्धन पर भी काम किया.

बाल विकास परियोजना, गोगुन्दा में अपने कार्यानुभवों का विस्तार करते हुए 2 अन्य संस्थाओं को बतौर लीड पार्टनर मार्गदर्शन दिया. इस दौरान बच्चों और किशोर किशोरियों के साथ काम करने की रणनीति को बेहतर ढंग से आगे बढ़ाया.

राजसमन्द जिले और गोगुन्दा (उदयपुर) में समुदाय के सहयोग से ढांचागत विकास में भी सहयोग दिया गया. हिंदुस्तान जिंक के साथ मिलकर राजसमन्द जिले में 100 आंगनवाडी केन्द्रों को मॉडल केंद्र "नन्दघर" में क्रमोन्नत करने का बड़ा कार्य भी इस वित्त वर्ष में पूर्ण हुआ.

फोटो : ओम

साथी- सहयोगी

साथी संस्थाओं के साथ

क्षमतावर्धन

परियोजना संचालन में सहयोग

समुदाय के साथ

VHSNC

SMC

सामुदायिक वाचनालय

आरोग्य मेला

ढांचागत विकास

नन्दघर

मॉडल आंगनवाडी केंद्र

पेयजल संयंत्र

शौचालय निर्माण

इंटर्न एवं वालंटियर

विविध विषयों पर समझ

रिसर्च में सहयोग

LGBTQIA+ पर समझ

अन्य आयोजन

315 ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति और **27** विद्यालय प्रबंधन समिति के कुल **2750** सदस्यों का क्षमतावर्धन

110 आंगनवाडी केंद्र आधुनिक नन्दघर में हुए तब्दील

21 शैक्षणिक संस्थानों से **117** इंटर्न और स्वयंसेवी जुड़े इस वर्ष

परियोजनाएं

ख़ुशी परियोजना (राजसमन्द); बाल विकास परियोजना (गोगुन्दा); प्रज्वला (उदयपुर, राजसमन्द, डूंगरपुर) एवं अन्य

(All logos are in alabatic order)

साथी संस्थाओं के साथ

यह वर्ष जतन के लिए एक कदम आगे बढ़ते हुए अन्य संस्थाओं का सहयोग करते हुए उनके लीड पार्टनर के तौर पर कार्य करने का अनुभव लेकर आया. बाल विकास परियोजना, में काम करते हुए जतन इस वर्ष लीड पार्टनर मॉडल पर काम करते हुए 2 अन्य साथी संस्थाओं का मेंटर बना. झाडोल और कोटड़ा (उदयपुर) में कार्य कर रही संस्थाओं कल्याणी तथा चेतना आरोग्य मंदिर को जतन ने पूरे वर्ष परियोजना संचालन में सहयोग प्रदान किया.

कार्यक्रम आयोजना एवं संचालन

- वार्षिक कार्यक्रम आयोजना एवं बजट निर्माण में सहयोग
- परियोजना डिजाइन दस्तावेज निर्माण में सहयोग
- मासिक समीक्षा एवं आयोजना पर फोकस

क्षमतावर्धन एवं दस्तावेजीकरण

- जीवन कौशल शिक्षा एवं लर्निंग फेस्टिवल
- दस्तावेजीकरण, रिपोर्ट लेखन एवं केस स्टडी संधारण
- मोबाइल एप आधारित निगरानी
- शाला पूर्व शिक्षा
- किचन गार्डन
- व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं पदस्थापन में सहयोग
- सकारात्मक पेरेंटिंग

मोनिटरिंग एवं मूल्यांकन

- कार्यक्रम संचालन में सकारात्मक सुझाव
- वित्त सम्बन्धी सुझाव
- गतिविधियों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने में सहयोग

नेटवर्किंग एवं संसाधन जुटाना

- अन्य संस्थाओं से नेटवर्किंग में सहयोग करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यावसयिक प्रशिक्षण ,को बेहतर बन्ने के लिए दक्ष प्रशिक्षक एवं आवश्यक संसाधन का सहयोग

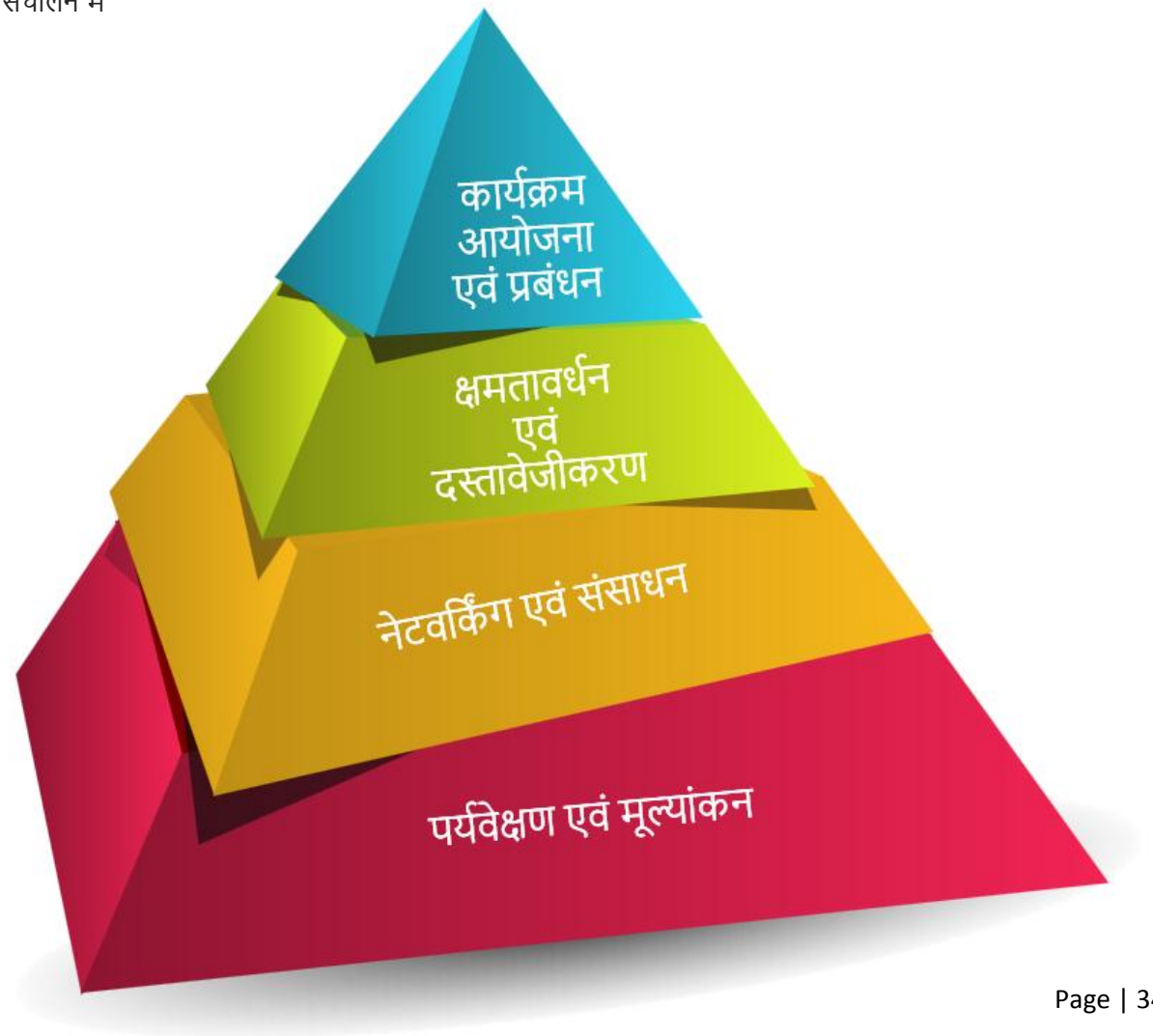

समुदाय और सामुदायिक समितियों के साथ

जतन का शुरू से ही प्रयास रहा है कि समाज विकास में समुदाय की सहभागिता को बढाया जाए. इस से वे आने वाले समय में स्वयं इसकी जिम्मेदारी ले सके. इसी उद्देश्य के साथ समुदाय आधारित विभिन्न समितियों के क्षमतावर्धन करने, काम में पारदर्शिता के साथ पहल करने, समुदाय के वंचित तबके को मुख्य धारा में लाने के प्रयास जतन करती रही है.

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता पोषण समिति

राजस्व गाँव स्तर पर बनी ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता पोषण जल समिति (VHSNWC) के सदस्यों के क्षमता-वर्धन पर इस वर्ष राजसमन्द, भीलवाड़ा और गोगुन्दा में में सतत प्रयास हुए. ख़ुशी परियोजना के अंतर्गत रेलमगरा, राजसमन्द और खमनोर की 273, गोगुन्दा की 25, सहाडा (भीलवाड़ा) की 10 समितियों के कुल 2150 सदस्यों का प्रशिक्षण इस वर्ष संपन्न हुआ. इसकी परिणति यह रही कि समिति की नियमित मासिक बैठकें आरम्भ हुई और उनके निर्बंध (अनटाइड) फण्ड का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सका और यह राशि आंगनवाडी केन्द्रों के बच्चों और किशोरियों पर व्यय हुई.

इन समितियों द्वारा ग्राम सभाओं में प्रस्ताव लेकर आंगनवाडी केन्द्रों पर शौचालय निर्माण, चार दीवारी बनाने, मरम्मत, रंग रोगन आदि कार्य भी करवाए गए. सहाडा में समिति सदस्यों द्वारा किशोरियों के पोषण पर उल्लेखनीय कार्य हुए तथा रोड लाइट्स लगाने और शराब के ठेके हटवाने के प्रस्ताव भी सौंपे गए.

फोटो : अरविन्द जोधा/ UNFPA , हिलोर परियोजना, गोगुन्दा

जिला स्तरीय आरोग्य मेला

स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने, आम बीमारियों की रोकथाम, संयमित दिनचर्या एवं खान पान, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के लाभों को आम जन में फ़ैलाने के उद्देश्य से जतन ने जिला आयुर्वेद विभाग और हिंदुस्तान जिंक के साथ मिलकर 08 दिवसीय आयुर्वेद आरोग्य मेले का आयोजन किया.

मेले में आयुर्वेद चिकित्सा, यूनानी चिकित्सा, होम्योपैथी, जरावस्था जन्य रोगों की चिकित्सा, प्रकृति एवं नाड़ी चिकित्सा, पंच कर्म एवं क्षार सूत्र, सौन्दर्य निखार, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, कैपिंग थैरिपी, अग्निकर्म थैरेपी, जलौकवचारण चिकित्सा और न्यूरो थैरेपी के स्टाल तैयार किये गए, जहाँ 23, 465 रोगियों ने अपना उपचार करवाया. इनमे 4 हज़ार से अधिक रोगियों ने पहली बार सम्बंधित चिकित्सा ली.

विद्यालय प्रबंधन समिति

प्रज्वला परियोजना के अंतर्गत उदयपुर, डूंगरपुर और राजसमन्द के 17 कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालयों की विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) के क्षमतावर्धन और नियमित मासिक बैठकों को सुनिश्चित किया गया.

बाल विकास परियोजना के अंतर्गत गोगुन्दा में 10 SMC की नियमित बैठकें आरम्भ हुई. इन समितियों के प्रस्ताव के आधार पर ही 10 स्कूलों में डिजिटल स्मार्ट कक्षाएं स्थापित हुई. सभी समितियों के समय पर चुनाव और नियमित बैठकों सहित समय समय पर आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण आयोजित हुए.

सार्वजनिक वाचनालय

गोगुन्दा में 05 स्थानों पर सार्वजानिक वाचनालय स्थापित करते हुए समुदाय को समाचार पत्रों, पत्रिकाओं के अध्ययन और परस्पर बातचीत का मंच प्रदान किया गया. ये केंद्र सफलतापूर्वक संचालित है. अगले वित्त वर्ष में ऐसे ही विशेष केंद्र किशोरियों के लिए संचालित किये जाने की योजना है.

फोटो : उषा चौधरी

ढांचागत विकास

बेहतर शिक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए जतन ने विविध परियोजनाओं के अंतर्गत समुदाय के सहयोग से मौजूदा भवनों की मरम्मत और नए निर्माणों पर फोकस करते हुए उन्हें पुनः समुदाय को सौंपा. राजसमन्द में हिंदुस्तान जिंक के साझे में जहाँ 110 नन्दघर बनाये गए, वहीँ गोगुन्दा तथा राजसमन्द में समुदाय सहयोग से अनेकों केन्द्रों को मॉडल आंगनवाडी केंद्र म तब्दील किया गया. गोगुन्दा में 10 नए पेयजल संयत्र स्थापित हुए और वाचनालय भी खोले गए. गोगुन्दा के चयनित राजकीय स्कूलों में शौचालयों की दशा सुधारते हुए वहां पानी की सुगमता भी सुनिश्चित की गयी.

नन्दघर

राजसमन्द जिले में विगत वर्ष 10 केन्द्रों को नन्दघर में बदलने के अच्छे परिणामों को दखते हुए इस बार 100 नए आंगनवाडी केन्द्रों को नन्दघर में क्रमोन्नत करने का निर्णय लिया गया. समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) तथा हिन्द जिंक के साझे में यह कार्य शुरू किया गया.

समुदाय को साथ लेकर चयनित किये गए 100 केन्द्रों में आवश्यक मरम्मत के बाद नन्दघर मार्गदर्शिका के अनुसार केंद्र निर्मित किये गए. इसमें स्थानीय पंचायतों का भी सक्रीय सहयोग मिला. केन्द्रों की बाउंड्रीवाल निर्माण के साथ ही रसोई, शौचालय, मुख्य हॉल, छत मरम्मत, नल- बिजली फिटिंग आदि कार्य

नन्दघर : एक नजर

अब तक कुल नन्दघर : 110

निर्माण क्षेत्र : राजसमन्द (27), रेलमगरा (58) एवं खमनोर (25)

उपलब्ध सुविधाएं :

बाल मित्र चित्रकारी सहित सुरक्षित भवन

इ-शिक्षा के लिए एंड्राइड टीवी

निर्बाध बिजली के लिए सोलर प्लांट

बाल सुलभ शौचालय

बोरिंग सहित पानी की व्यवस्था

संशोधित स्वच्छ पेयजल

किचन गार्डन विकास

प्राथमिक उपचार एवं स्वच्छता किट

बच्चों के लिए शाला पूर्व शिक्षा सामग्री

बच्चों के लिए यूनिफार्म एवं सेंडिल

आंगनवाडी स्टाफ का प्रशिक्षण

बच्चों का स्वास्थ्य प्रशिक्षण

प्रारम्भिक चरण में किये गए. इस वित्त वर्ष में ढांचागत विकास सम्बन्धी अधिकांश कार्य संपन्न हो चुके हैं तथा सामग्री इंस्टालेशन आदि कार्य अगले वित्त वर्ष में पूरे करने के बाद इन्हें स्थानीय पंचायतों तथा विभाग को सुपुर्द कर दिया जायेगा.

नन्दघर निर्माण के साथ साथ इनमे बच्चों की सुविधा के लिए विविध सामग्री उपलब्ध करवाने तथा प्रशिक्षण भी जारी है. सभी केन्द्रों के बच्चों को यूनिफार्म, सेंडिल, शाला पूर्व शिक्षा किट आदि व्यक्तिगत रूप से उपलब्ध करवाए गए हैं.

मॉडल आंगनवाडी केंद्र

राजसमन्द में नन्दघरों के सफलता को देखते हुए यह प्रयोग गोगुन्दा (उदयपुर) और सहाडा (भीलवाडा) में भी किया गया. बाल विकास परियोजना के अंतर्गत 10 चयनित आंगनवाडी केन्द्रों को मॉडल केंद्र में क्रमोन्नत किया गया. इसके लिए मरम्मत सहित रंग रोगन, बाल सुलभ चित्रकारी, आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाने तथा आंगनवाडी कार्मिकों के प्रशिक्षण पर फोकस किया गया. गोगुन्दा के जोगियों का गुडा, फूटिया, काछबा, मजाम, बगदूंगड़ा, मजावद, बदूंडीया, मादा और मलारिया कलां में मॉडल केंद्र बनाये गए.

इसी के साथ ख़ुशी परियोजना के अंतर्गत समुदाय और स्थानीय पंचायतों के सहयोग से 53 केन्द्रों आंगनवाडी केन्द्रों पर आवश्यक मरम्मत, रंग रोगन, चित्रकारी, शौचालय निर्माण आदि काम पूरे किये गए.

सहाडा में भी स्थानीय महिला सरपंचों ने विविध मदों से आंगनवाडी केन्द्रों को मॉडल स्वरुप प्रदान करते हुए बच्चों की शाला पूर्व शिक्षा और स्वास्थ्य पर बेहतर कार्य किये. महत्वपूर्ण बात यह रही कि सहाडा और राजसमन्द में यह कार्य शत प्रतिशत समुदाय सहयोग से ही संपन्न हुआ.

शुद्ध पेयजल संयंत्र

गोगुन्दा के आदिवासी क्षेत्र में साफ़ पीने का पानी उपलब्ध करवाने के लिए पिछले वर्ष 05 पेयजल संयंत्र समुदाय सहयोग से स्थापित किये गए थे. इस वर्ष 05 नए स्थानों का चयन करके चाइल्ड फण्ड इंडिया के सहयोग से वहां भी संयंत्र स्थापित किये गए. इन संयत्रों के निर्माण में अनूठी बात यह रही कि मेटेरियल जतन की तरफ से उपलब्ध करवाया गया, जबकि निर्माण और व्यवस्थापन का काम स्थानीय ग्रामीणों ने अपनी ओर से किया. इन संयत्रों के सञ्चालन, रख रखाव आदि की जिम्मेदारी स्थानीय समुदाय को दी गयी. परिणाम स्वरुप सभी 05 संयंत्र वर्ष खत्म होने तक सुचारू रूप से संचालित होते रहे तथा किसी प्रकार के टूट- फूट या चोरी की घटनाएं नहीं हुई.

शौचालय निर्माण

राजसमन्द में पंचायतों के सहयोग से 53 अन्गांवादी केन्द्रों पर शौचालय निर्माण कार्य पूरा किया गया. स्थानीय पंचायतों से बेहतर नेटवर्किंग की बदौलत उक्त सभी कार्य किये गए, जिसकी निगरानी का काम जतन द्वारा संपन्न हुआ.

गोगुन्दा के स्कूलों में पानी नहीं होने तथा उपलब्ध शौचालयों के बदहाल होने के कई मामले सामने आये. इस पर एक विस्तृत अध्ययन के बाद जतन ने चयनित 05 स्कूलों में शौचालय काम्प्लेक्स निर्माण का जिम्मा हाथ में लिया. इन शौचालयों में पूरे समय पानी, किशोरियों के लिए फ्री स्पेस, हाथ धोने के लिए आधुनिक स्थान आदि का निर्माण किया गया.

फोटो : ओम

इंटर्न एवं वालंटियर

वर्ष 2018-19 इंटर्नशिप और volunteering में संस्था के लिए एक महत्त्वपूर्ण साल रहा. देश-विदेश से आये प्रशिक्षुओं ने संस्था की विभिन्न परियोजनाओं से जुड़ते हुए सामाजिक कार्यों और तकनीकों में अपनी समझ बनाई. जतन ने भी विभिन्न विषयों में दक्ष इन प्रशिक्षुओं के नज़रिये से अपने प्रोजेक्ट्स को और गुणवत्तापूर्ण करने का प्रयास किया.

प्रवाह दिल्ली के साथ चल रहे वालंटियर कार्यक्रम ICS के अंतिम दो समूहों, जिनमें भारतीय और UK वालंटियर्स थे, ने रेलमगरा के गावों में स्थानीय युवाओं को विकास के मुद्दों से जोड़ा और यूथ क्लब बनाये, जिनमें से सांसेरा और खंडेल समूह आज सक्रिय हैं. IIHMR जयपुर से आए 6 इंटर्न्स ने 2 महीने तक राजसमंद में पोषण और स्वास्थ्य जैसे विषय पर रिसर्च कार्य किया। FSD कार्यक्रम के तहत कैनेडियन इंटर्न डेनियल ब्युखानन ने स्तन कैंसर जैसे विषय पर उल्लेखनीय कार्य किया। प्रिसटन यूनिवर्सिटी से आई लैला ओवेंस ने छह महीने उगेर परियोजना और दस्तावेजीकरण में टीम को सहयोग दिया।

चूँकि इस कार्यक्रम में होस्ट परिवार भी मुख्य भूमिका निभाते हैं और पिछले वर्षों में जतन के पास एक बड़ा होस्ट परिवारों का समूह तैयार हो गया है जो हमारे प्रशिक्षुओं को ना सिर्फ अपने घर में एक पारिवारिक सदस्य के तौर पर शामिल करते हैं, वरन उन्हें इस क्षेत्र से जुड़े रीति-रिवाजों, परम्पराओं, सभ्यता-संस्कृति को समझने में भी सहायक होते हैं.

फोटो : IIHMR इंटर्न द्वारा साभार

117

इंटर्न और वालंटियर जुड़े इस वर्ष

सहयोगी संस्थाएं एवं इंटर्नशिप कार्यकम

- औरो यूनिवर्सिटी, सूरत
- अज़ीमजी प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बंगलुरु
- सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ तमिलनाडु, चेन्नई
- फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल डवलपमेंट, यूएसए
- फुलब्राइट स्कोलरशिप, यूएसए
- आईआईएचएमआर, जयपुर
- आईआईएम, उदयपुर
- इरमा, आनंद
- जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, सोनीपत
- महाराणा भूपाल महाविद्यालय, उदयपुर
- एनआईडी, विजयवाड़ा
- निरमा यूनिवर्सिटी, गांधीनगर
- ऑपरेशन ग्राउंड्सवेल, कनाडा
- पेसिफिक यूनिवर्सिटी, उदयपुर
- पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए
- प्रवाह आईसीएस (यूके एड), दिल्ली
- प्रवाह स्माइल इन-टर्न शिप, दिल्ली
- प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, यूएसए
- एसपीजे आईएमआर, मुंबई
- टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोश्यल साइंसेज, मुंबई/ तुलजापुर
- वेदांता, राजपुरा दरीबा काम्प्लेक्स

बदलते रंग- बदलती सोच

दो दिवसीय "यौनिकता पर हमारी समझ" कार्यशाला, 28-29 दिसंबर 2018

इस वर्ष जतन में जेंडर-यौनिकता पर समझ को विस्तार देते हुए LGBTQ समुदाय के अधिकारों और स्थिति पर समझ को आगे ले जाने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. मुंबई के जाने माने विषय विशेषज्ञ श्रुति और पूजा ने इन दो दिनों में विषय को अच्छे से समझाया.

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य यौनिकता को समझते हुए उसके घटकों और आयामों पर समझ विकसित करना, जेंडर और यौनिकता पर पूर्व निर्धारित सोच से बाहर आकर सोचना तथा LGBT समुदाय के अधिकारों पर विस्तार से समझना था. कार्यशाला इन मायनों में काफी सफल सिद्ध हुई.

पहले दिन की शुरुआत सामाजिक रिश्तों के ढांचे को समझने से हुई. इसमें समाज में सबसे अधिक स्वीकार्य रिश्तों से लेकर कम स्वीकार्य और तुच्छ माने जाने वाले रिश्तों का ताना बाना खिंचा गया. तत्पश्चात हेटेरोनॉर्म पर खुलकर चर्चा हुई. जेंडर और यौनिकता, यौन अभिविन्यास, यौनिकता और जेंडर से जुड़े ऐसे सामाजिक नियम, जो सहभागियों द्वारा तोड़े गए, पर खुलकर बातचीत हुई. इस दौरान समाज द्वारा तय किये गये नियमों से परे जाने पर व्याप्त होने वाले डर और भय तथा उस से स्वयं और परिवार पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव पर चर्चा हुई.

दूसरा दिन LGBTQ समुदाय का परिचय और उनकी स्थिति,स्थिति, सामाजिक, मानसिक स्थिति, समाज में उनकी अस्वीकार्यता के कारण, धारा 377 , स्वयं की यौनिकता की पहचान, देश-विदेश में समबन्धित आन्दोलन आदि पर विभिन्न केसों को सोल्व करते हुए चर्चा की गयी.

भविष्य में इस विषय पर अधिक समग्रता से कार्य करने और जतन में इस विषय पर सभी की समझ को बढाने के साथ कार्यशाला संपन हुई. इस दौरान आने वाले समय में इसी विषय पर अन्य प्रशिक्षणों की आयोजना तय की गयी.

फोटो : दिनेश

जश्न-ए-जतन : पंजाब दा टशन

जतन ने अपना अठारहवां स्थापना दिवस हुनरघर, रेलमगरा में 12 जून को मनाया. इस बार उत्सव की थीम "पंजाब दा टशन" थी. जहाँ परिसर और स्टेज को पंजाबी पिंड (गाँव) की थीम पर सजाया गया वहीँ दस्तरख्वान (रसोईघर) में भी पंजाबी तड़का ही मुख्य रहा. सभी स्टाफ कर्मी भी पंजाबी रंग में रंगे नज़र आये.

इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में पटियाला से आये रंगकर्मियों ने पंजाबी संस्कृति के विविध रंग पेश किये. इस मौके पर लोहड़ी, गिद्धा, भांगड़ा, सोहनी-महिवाल आदि गतो- नृत्यों को प्रस्तुत किया. गोगुन्दा से आये साथियों ने बाल विवाह के विरुद्ध नाटिका प्रस्तुत की. अमेरिका से आये आई सी एस इंटर्न ने पंजाबी नृत्य किया. जतन की उदयपुर टीम ने पंजाबी फ्यूजन पर समूह नृत्य प्रस्तुत किया.

इस अवसर पर दूसरा विजय जोशी सम्मान उदयपुर के दो युवाओं को संयुक्त रूप से प्रदान किया था. इस युवाओं ने सलूम्बर मार्ग पर हुई एक सड़क दुर्घटना के बाद घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर मानवीयता का परिचय दिया था. इस से पूर्व जतन के साधारण सभा सदस्यों ने मंच पर पहुंचकर दीप जलाया. निदेशक डॉ. कैलाश बृजवासी ने सभी का स्वागत करते हुए वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया.

जतन के इस सालाना जलसे में पूरे जतन के स्टाफ कर्मियों के साथ रेलमगरा, राजसमन्द और आस पास के जतन से जुड़े लोगों, समिति सदस्यों, साधारण सभा, सलाहकार समिति, साथी संस्थाओं के प्रतिनिधि आदि मेहमान उपस्थित रहे.

टूअर-दे- जैसलमेर

इस वर्ष जतन स्टाफ कर्मियों का वार्षिक क्षमतावर्धन शिविर "ढाई आखर" जैसलमेर के सम के रेतीले धोरों पर आयोजित हुआ. चार दिवसीय इस शिविर में जहाँ परस्पर सीखने सिखाने के लिए विविध सत्र आयोजित हुए, वहीँ स्टाफ कर्मियों के मध्य कई रोचक खेल भी आयोजित हुए.

शिविर का उद्घाटन लंगा लोक गीतों के साथ हुआ. पहले दिन देश के जाने माने राजस्थान कवि एवं लेखक आइदानसिंह के साथ वार्ता आयोजित की गयी. श्री चारण ने बच्चों के लिए बाल गीत बानाने के तरीके सुझाए वहीँ अपनी शिक्षा में लोक भाषाओँ के महत्त्व पर चर्चा की. द वाई पी फाउंडेशन के मानक ने जेंडर और यौनिकता पर महत्वपूर्ण सत्र लिया.

शाम को आयोजित सांस्कृतिक संध्या में जतन कर्मियों ने विविध गीत, नृत्य प्रस्तुत किये. रैंप वाक भी आयोजित की गयी. इस बार मिस और मिस्टर जतन का ख़िताब क्रमशः विनीता कुंवर और मरुधर सिंह ने जीता.

शिविर में जैसलमेर शहर भ्रमण, सम के धोरों पर ऊंट सवारी, जीप सफारी, जैसलमेर वॉर मेमोरियल आदि का भ्रमण किया.

प्रकाशन

सफल कहानियों के संकलन

बारहखड़ी
बाल विकास परियोजना, गोगुन्दा की 12 सफल कहानियों का संकलन

ऐसी रही बहनों की बारी
राजसमन्द- भीलवाड़ा की महिला पंच- सरपंचों की 5 साल की सफलताओं की कहानियां

बदलती बयार
जीवन कौशल प्रशिक्षणों से किशोरियों के जीवन में आये बदलावों की कहानियां

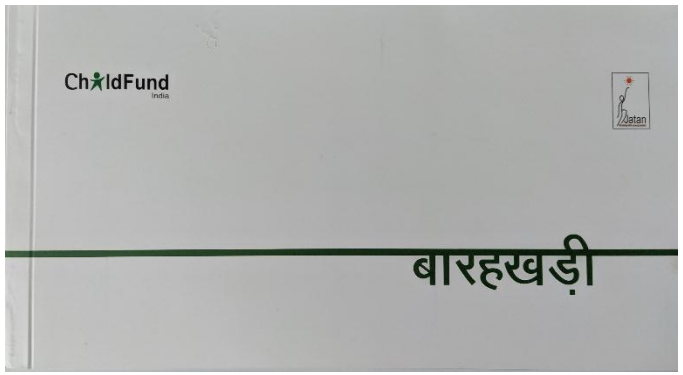

प्रजनन स्वास्थ्य एवं माहवारी प्रबंधन

- **माहवारी चक्र**
- **माहवारी एप्रिन**
- **सीधी सच्ची बात** (चित्रकथा बुकलेट- टेक अवे)
- **जैसे जैसे हम बढ़ते हैं (कावड़)**
- **प्रजनन स्वास्थ्य किट (ट्रेनर टूल)**
- **पुरुष और माहवारी**
- **भोजन तिरंगा (ट्रेनर टूल एवं टेक अवे)**

अन्य

पोषण गाड़ी
आंगनवाडी केन्द्रों पर पोषण पर समझ बनाने की गतिविधि पुस्तिका

बच्चों की बीमारियाँ
बच्चों की प्रमुख बीमारियों के कारण- निवारण पर प्रशिक्षक टूल

पत्रिकाएँ

- **रमत घमत मासिक पत्रिका** (आंगनवाडी केन्द्रों के लिए)
- **चहक त्रेमासिक पत्रिका** (किशोरियों के लिए)

गतिविधि पुस्तिकाएं

रमत घमत
किशोरी बैठकों के दौरान आयोजित की जाने वाली खेल गतिविधियों की पुस्तक

खुद को परखो- खुद को जानो
HIV AIDS पर जागरूकता निर्माण के लिए आयोजित नुक्कड़ नाटक से सम्बंधित

पोस्टर/ कलेंडर

- **पुरुष और माहवारी**
- **बाल विवाह के विरुद्ध पहल**
- **आओ, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता पोषण समिति को जानें**
- **कैसा हो बाल मित्र विद्यालय**
- **हिलोर की दुनिया**

स्टाफ

= 166

मानदेय ढांचा

मानदेय (रुपयों में)	कार्यकर्त्ता (संख्या)
<6000	20
6001-15000	108
15001-25000	19
25001-35000	8
35001- 50,000	7
50,000 >	4
कुल	166

साधारण सभा

अश्विनी पालीवाल	सचिव, आस्था संस्थान, उदयपुर
दशरथ सिंह	शिक्षाविद, उदयपुर
डॉ. गायत्री तिवारी	असोसिएट प्रोफ़ेसर, गृह विज्ञान महाविद्यालय, उदयपुर
गोवर्धन सिंह चौहान	कोषाध्यक्ष, जतन
गोविन्द सिंह गहलोत	शिक्षाविद, विद्याभवन, उदयपुर
डॉ. कैलाश बृजवासी	निदेशक, जतन
लक्ष्मी मूर्ति	डिजायनर एवं प्रशिक्षक, विकल्प डिजाइन, उदयपुर
महेश दाधीच	विधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर
मोहम्मद युसूफ खान	सिविल इंजीनियर, उदयपुर
मुकेश कुमार सिन्हा	सामाजिक कार्यकर्त्ता, रेलमगरा
प्रकाश भंडारी	शिक्षाविद, उदयपुर
राजेश शर्मा	कार्यक्रम समन्वयक, जतन
रणवीर सिंह शक्तावत	उपनिदेशक, जतन
संजय चित्तौड़ा	समन्वयक, आजीविका ब्यूरो, उदयपुर
उषा अग्रवाल	सेवानिवृत प्राचार्या, उदयपुर

सलाहकार समिति

अंकुर कछवाहा	कार्यक्रम प्रबंधक, जतन
आशा सिंघल	शिक्षाविद, उदयपुर
अविनाश नागर	असिस्टेंट प्रोफ़ेसर, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर
भंवर लाल वागरेचा	अध्यक्ष- तुलसी साधना शिखर, राजसमन्द
छत्रपाल सिंह	उपनिदेशक, जतन
गंगाराम प्रजापत	सह-समन्वयक, राजसमन्द चाइल्डलाइन 1098
गोवर्धन सिंह	कोषाध्यक्ष, जतन
डॉ. हेमू राठौड़	असिस्टेंट प्रोफ़ेसर, गृह विज्ञान महाविद्यालय, उदयपुर
डॉ. कैलाश बृजवासी	निदेशक, जतन
कन्हैयाल लाल	समन्वयक, जतन
लक्ष्मी मूर्ति	डिजायनर एवं प्रशिक्षक, विकल्प डिजाइन, उदयपुर
मनोज दशोरा	लेखाधिकारी, उदयपुर
मंजू खटीक	समन्वयक, जतन
पुष्पा कर्नावट	सामाजिक कार्यकर्त्ता, राजसमन्द
संजय चित्तौड़ा	समन्वयक, आजीविका ब्यूरो, उदयपुर
डॉ. शशि जैन	पूर्व डीन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, उदयपुर
डॉ. सरला लखावत	असिस्टेंट प्रोफ़ेसर, अजमेर
स्मृति केडिया	निदेशक, प्लस ट्रस्ट, उदयपुर
वैद्य स्मिता वाजपेई	वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी, चेतना, अहमदाबाद
सुमित्रा मेनारिया	समन्वयक, जतन
रणवीर सिंह शक्तावत	उपनिदेशक, जतन
वर्धिनी पुरोहित	पूर्व सरपंच, ओड़ा, रेलमगरा
डॉ. वल्लरी रामकृष्णन	स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, श्रेयस हॉस्पिटल, उदयपुर

बोर्ड बैठकें *(2018-2019)*

साधारण सभा की वार्षिक बैठक

मार्च 02, 2019

कार्यकारिणी समिति बैठकें

जून 02, 2018

अगस्त 15, 2018

अक्तूबर 16, 2018

दिसंबर 26, 2018

मार्च 02, 2019

कार्यकारिणी समिति सदस्य

अध्यक्ष :
महेश दाधीच

कोषाध्यक्ष :
गोवर्धन सिंह चौहान

निदेशक एवं मानद सचिव:
डॉ. कैलाश बृजवासी

समिति सदस्य :

राजेश शर्मा

रणवीर सिंह

मुकेश सिन्हा

सरिता जैन

प्रकाश भंडारी

गोविन्द सिंह

हमारे साथी- सहयोगी

फोटो : गोगुन्दा टीम

बोध शिक्षा समिति	जयपुर
चेतना	अहमदाबाद
चाइल्डलाइन फाउंडेशन	दिल्ली
चाइल्डफण्ड इंडिया	दिल्ली
डवलपिंग वर्ल्ड कनेक्शन	कनाडा
पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय (डोनेर)	भारत सरकार, नयी दिल्ली
एज्युकेट फॉर लाइफ	यूके
फाउंडेशन ऑफ़ सस्टेनेबल डवलपमेंट	यूएसए
गेबेको रायसन	जर्मनी
हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड	उदयपुर
आई आई टी	चेन्नई
आई आई टी	मुंबई
इंडो एशिया होलीडे	गुरुग्राम
क्षमतालय फाउंडेशन	उदयपुर
ऑपरेशन ग्राउंड्सवेल	कनाडा
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज	मुंबई
प्लान इंडिया	जयपुर
प्रवाह	दिल्ली
सॉफ्ट चॉइस	कनाडा
स्पार्कमिंडा फाउंडेशन	दिल्ली
द हंगर प्रोजेक्ट	जयपुर/दिल्ली
द वाय पी फाउंडेशन	दिल्ली
यू एन एफ पी ए	जयपुर
महिला एवं बाल विकास विभाग	राजस्थान सरकार, जयपुर

प्रशिक्षण • केंद्रीय जनजाति विकास मंत्रालय और जतन के साझे में प्रशिक्षण कार्यक्रम, अगले दो दिन स्थानीय महिलाओं की स्थिति का अध्ययन करेगा दल

पूर्वोत्तर के राज्यों से आईं 12 महिलाएं उदयपुर में सीख रहीं सेनेटरी पैड बनाना और पीरियड मैनेजमेंट, लौटकर अपने गांवों में देंगी ट्रेनिंग

मकसद और सोच ये कि महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी, तो अपने आप खत्म हो जाएंगी बंदिशें

[illegible]

जतन का उगेर समूह बनता है रीयूजेबल सेनेटरी उत्पाद

महिला जनप्रतिनिधियों ने पंचायतीराज समेत विषयों पर की चर्चा

रेलमगरा | द हंगर प्रोजेक्ट और जतन संस्थान के सहयोग से गुरुवार को रेलमगरा उपखंड की महिला पंच-सरपंच संघ की बैठक हुई। बैठक में वार्ड पांच, सरपंच के रिपोर्ट कार्ड, चुनाव पूर्व मतदाता जागरूकता अभियान, पंचायत चुनाव की रणनीति, पंच सरपंच संगठन की भूमिका, उम्मीदवारी, पूर्व में दिए गए घोषणा पत्र का फॉलोअप सहित विषयों पर चर्चा की। इसके साथ ही महिला जनप्रतिनिधियों की तरफ से किए गए कामों का विश्लेषण और मानव विकास के मुद्दों पर किए कामों को साझा किया। संगठन अध्यक्ष सरपंच सपना शर्मा ने बताया कि बैठक में पिछले चार वर्षों के दौरान किए गए कामों की उपलब्धि, चुनौतियां और रणनीति पर चर्चा की।

रेलमगरा. बैठक में मौजूद महिला जनप्रतिनिधि।

बैठक में अगले चुनाव में पंचायतीराज की तरफ से संशोधित नियमों की जानकारी देते हुए संगठन के आगामी पंचायती राज चुनाव में बदलाव लाने हेतु मांग पत्र तैयार किया। इसमें स्थानीय मुद्दों को भी शामिल किया गया। इस दौरान कोटड़ी सरपंच रेखा जाट, सादड़ी सरपंच मंजू आर्य, बामनिया कलां सरपंच कैलाश देवी, गिलूंड सरपंच प्रेमलता जैन सहित 36 महिला जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

केजीबीवी नेड़च में एल्युमिनी मीट का आयोजन

किशोरियों ने कहा, सपने मांगते हैं कड़ी मेहनत

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

सेमा. कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय नेड़च में शनिवार को एलुमनाई मीट का आयोजन किया गया।

जतन संस्थान के ब्लॉक समन्वयक किशनलाल लोहार ने बताया कि यहां ऐसी किशोरियां भी अध्ययन कर रही हैं, जिन्हें कभी शिक्षा पाने का मौका नहीं मिला, जो अपनी पढ़ाई छोड़ चुकी थी या जिनका स्तर उनकी कक्षा के अनुरूप नहीं था। उन्होंने बताया कि कई बार यह भी सामने आता है कि छुट्टियों के बाद किशोरियां पढ़ाई से अपना नाता तोड़ लेती हैं। उनके सामने उन्हें क्या बनना है, उनकी मंजिल क्या है, इस तरह की समझ के अभाव में वे आगे नहीं बढ़ पाती है। सपोर्ट फेलो उर्मिला ने बताया कि सेव द चिल्ड्रन और जतन संस्थान व शिक्षा परिषद जयपुर के सानिध्य में संचालित गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के माध्यम से वंचित वर्ग की बालिकाओं का सशक्तिकरण परियोजना के तहत एक दिवसीय कार्यक्रम में शारदे परियोजना से विद्यालय में अध्ययनरत 13 किशोरियां जुड़ी हैं। इसमें केजीबीवि की उत्तीर्ण बालिकाओं के साथ वर्तमान में अध्यनरत किशोरियों के साथ अलुमनाई बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का प्रमुख उद्देश्य

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय नेड़च में एलुमनाई मीट में उपस्थित अतिथि एवं छात्राएं।

माहवारी प्रबन्धन प्रशिक्षण में मौजूद कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय केलवा में पढ़ने वाली बालिकाएं।

नवनिर्मित नंदघरों का लोकार्पण

रेलमगरा। खंड में महिला एवं बाल विकास विभाग, हिंदुस्तान जिंक व जतन संस्थान की ओर से संचालित खुशी परियोजना के तहत 58 आंगनवाड़ी केन्द्रों को नन्दघर के स्वरूप में बदला गया। इनमें से पांच नंदघर रेलमगरा द्वितीय, चाम्पाखेड़ी, पछमता, कुंडिया प्रथम व द्वितीय नन्दघर की ग्राम पंचायत व समुदाय को भेंट कर लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में कार्यालय प्रभारी सुमित्रा मेनारिया ने बताया कि खुशी परियोजना के तहत निर्मित नन्दघर पर शालापूर्व करते हुए सोलर लाइट, वाटर पंप, आदि लगाकर आधुनिक बनाया गया ताकि बच्चों को खेल खेल में शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके व एक बेहतर तथा सुरक्षित माहौल प्रदान किया जा सके। बाल विकास परियोजना अधिकारी डालचन्द्र मेनारिया ने आंगनवाड़ी व विधालय के विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चों के शैक्षणिक विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ कई प्रकार की योजनाओं का संचालन भी किया जा रहा है। अधिक से अधिक बच्चों को आंगनवाड़ी व विद्यालयों से जोड़ते हुए शिक्षा दिलाएं। इस अवसर पर उपप्रधान सुरेश चन्द्र जाट, ग्राम पंचायत रेलमगरा सरपंच निशा चौधरी, समाजसेवी प्रकाश चौधरी, कुण्डिया सरपंच बद्रीलाल जाट, वार्डपंच, आंगनवाडी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा सहयोगिनी, जतन संस्थान से उपनिदेशक गोवर्धन सिंह, भूपेन्द्र सिंह राजपूत, श्यामा वैष्णव, प्रियंका देवपुरा, मुरलीधर भांभी, कन्हैया लाल, नारायण शर्मा, सुखी अहीर सहित कई उपस्थित रहे।

Feel free: NGOs introduce reusable pads in Warangal

Gramalaya and Jatan Sansthan are promoting these napkins, which are hygienic and can be used 65-70 times, among govt school students

ANIL KUMAR @ Warangal

EVEN as disposal of used sanitary napkins remains a contentious issue in the country, few NGOs have come up with solutions to replace them with low cost eco-friendly reusable cotton sanitary napkins. Disposable sanitary napkins replaced traditional strips of old cotton saris four decades ago in the country.

Organisations like Gramalaya, a Tiruchirappalli based voluntary organisation working for water and sanitation and Jatan Sansthan from Rajasthan, are doing commendable work in the areas of manufacturing cotton sanitary napkins which could be reused several times. They claim that despite reusing the napkins, they remain hygienic and safe.

Gramalaya had sold over 1.5 lakh reusable cotton sanitary napkins under the brand 'Feel Free' in last three years in six Southern states, including Telangana and Andhra Pradesh whereas Jatan Sansthan is promoting sanitary napkins under 'UGER pads' brand. "One pad can be used 65 to 70 times and costs ₹80, thus making it cheaper when compared to the disposable one," claimed Ankur, a representative of Jatan Sansthan, who came to take part in an awareness campaign organised by Administrative Staff College of India in Warangal city. According to him, the thin gel pads do not suit all users and many of them reported discomfort, infection, allergies and severe itching. On the other hand, the cotton pads are safe, hygienic and environmental friendly. Besides, these pads provide a livelihood as they are handmade, thereby generating employment within the community, he explained.

Gramalaya too had been promoting cotton sanitary pads on a large scale among over four lakh adolescent girls and women.

4-day workshop for teachers, girls in Warangal (U)

In order to create awareness among teachers and girls of government schools on menstrual hygiene management, the ASCI in association with Tata Advanced Systems is organising a four-day workshop for teachers and girls of 220 government schools of Warangal urban district. The workshop was inaugurated by Greater Warangal Municipal Corporation (GWMC) deputy commissioner Prashanthi.

A representative of NGO Gramalaya explains about the reusable cotton sanitary napkins to GWMC Deputy Commissioner Prashanthi during a workshop, in Kazipet on Wednesday | EXPRESS

> Our aim is not only to promote cotton sanitary napkins, but also to educate girls and women about menstrual hygiene management
>
> Kavitha of Gramalaya

Speaking on the occasion, she said there was need to talk about menstrual hygiene openly so that men also understand the issue.

Women are too shy to ask for a sanitary pad from shopkeepers who are mostly men, this situation had to change, she opined.

Warangal urban district education officer Narayan Reddy said that the state government was giving top priority to menstrual hygiene management and girls were being provided sanitary napkins in every government and residential schools.

"We are creating awareness among girls about menstrual hygiene management," he said.

हिलोर ने दिए परवाज तो बंदिशों को तोड़ हम भी भरने लगे उड़ान

हिलोर परियोजना ने आदिवासी अंचल की सैकड़ों किशोरियों के जीवन को बदला

ब्यूरो/नवज्योति, उदयपुर

समाज की पुरानी परंपराओं, बंदिशों में फंसकर शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका से दूर घरों की चौखट तक ही सीमित हुई आदिवासी अंचल की अनेक किशोरियों को हिलोर परियोजना ने नया जीवन दिया है। आज ये किशोरियां ना सिर्फ पुनः शिक्षा से जुड़ीं, बल्कि स्वयं को हर विषम परिस्थितियों में मजबूती से खड़ा कर आगे बढ़ रही है। शनिवार को जतन संस्थान द्वारा आयोजित मीडिया अभिमुखीकरण कार्यशाला में आई किशोरियों ने अपनी सफलता की कहानियां बयां की। ये किशोरियां खेरवाड़ा और गोगुन्दा के ग्रामीण परिवेश से आई थी, इनमें कई किशोरियां पहली बार उदयपुर आई थी। जतन संस्थान द्वारा यूएनएफपीए और महिला अधिकारिता विभाग के सहयोग से संचालित हिलोर परियोजना के तहत किशोरियों ने खुद के जीवन में आये परिवर्तनों और सकारात्मक बदलावों के बारे में शनिवार को खुलकर पत्रकारों से [illegible]

शाम को घूमा शिल्पग्राम

कार्यक्रम के पश्चात किशोरियों ने शिल्पग्राम घूमने का आनंद लिया। बंजारा मंच पर लोक प्रस्तुतियों को देखकर किशोरियां काफी रोमांचित हुईं।

मैं अब आगे पढ़कर टीचर बनना चाहती हूं: भावना

मेरे पिताजी ने मुझे पांचवी के बाद स्कूल छुड़वा दिया। मैं बकरी चराने जाती। एक दिन मुझे अपने गांव की एक किशोरी से बैठक में जुड़ने का मौका मिला। यहां मैंने समझा कि मैं आगे पढ़ सकती हूं। मैंने इस साल दसवीं का फार्म भरा है। मैं आगे पढ़कर टीचर बनना चाहती हूं।

देते हुए उदयपुर जिले और राजस्थान में किशोरियों की स्थिति पर खुली चर्चा का संचालन किया। इस दौरान [illegible]

जतन के भूपेन ने जतन का परिचय दिया जबकि उपनिदेशक रणधीर सिंह ने [illegible]

अब मैं कमजोर नहीं, सक्षम किशोरी हूं: संतोषी

मेरा संसार मेरा गांव ही था। 13 साल की उम्र में आठवीं तक पढ़ने के बाद मेरी शादी कर दी गयी। ससुराल में एक बार बकरियों के लिए डालियां काटते समय पेड़ से गिरने से मेरा दायां पैर खराब हो गया। ससुराल वालों ने मुझे वापस पीहर भेज दिया। मेरे पिताजी नहीं हैं। अब जब मैं हिलोर कार्यक्रम से जुड़ी हूं तो मैं हर मीटिंग में जाती हूं। दसवीं की परीक्षा देने को तैयार हूं। मैं अपने गांव के किशोरी समूह की लीडर हूं। मुझमें अब वापस हिम्मत आई है कि मैं कोई कमजोर लड़की नहीं, एक सक्षम किशोरी हूं।

नदी पार कर दूसरे गांव पहुंचते हैं मीटिंग में: कमला

मैं खेरियों की घाटी, खेरवाड़ा की रहने वाली हूं। हमारे गांव में आंगनवाड़ी नहीं है। वह सोम नदी के दूसरी तरफ बलीचा गांव में है। खुद ही नाव चलाकर [illegible]

चाइल्ड लाइन की टीम ने नाबालिग का विवाह रुकवाया और लड़की को बाल गृह भेजा गया

राजसमंद | चाइल्ड लाइन टीम के प्रयासों से कुंभलगढ़ के मोरचा गांव में नाबालिग का विवाह होने से पहले ही रुकवा दिया गया। किशोरी ने भी हिम्मत दिखाई और परिजनों को विवाह करने से मना कर दिया और चाइल्ड लाइन टीम के साथ राजसमंद आ गई। जिसे बालिका गृह में भेजा गया। बताया कि राजसमंद चाइल्ड लाइन टीम को गोपनीय सूचना मिली कि कुंभलगढ़ विवाह करवाया जा रहा था। टीम के सामने वह रो गई। टीम की सदस्य विनीता ने ढाढ़स बंधाया तब जाकर लड़की ने बताया कि एक दो दिन में उसका बाल विवाह करवाया जा रहा है। बच्ची के सर्वोत्तम हित को देखते हुए चाइल्ड लाइन टीम के सदस्य बच्ची को राजसमंद जिला कार्यालय लेकर आए और दस्तावेजों की प्रक्रिया संपन्न करने के बाद बाल कल्याण समिति अध्यक्ष भावना

महिला पंच-सरपंचों की भूमिका पर चर्चा

रेलमगरा. महिला पंच सरपंच संघ की बैठक का आयोजन द हंगर प्रोजेक्ट व जतन संस्थान के सहयोग से संपन्न हुआ। बैठक में वार्ड पंच- सरपंच के रिपोर्ट कार्ड, चुनाव पूर्व मतदाता जागरूकता अभियान, पंचायत चुनाव की रणनीति, पंच सरपंच संगठन की भूमिका आदि विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान संगठन की अध्यक्ष सरपंच सपना शर्मा, कोटडी सरपंच रेखा जाट, सादड़ी सरपंच मंजू आर्य, बामनिया कलां सरपंच कैलाश देवी, गिलुण्ड सरपंच प्रेमलता जैन सहित 36 महिला जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। जतन संस्थान से कार्यालय प्रभारी सुमित्रा मेनारिया, मंजू खटिक, श्यामा वैष्णव, कन्हैयालाल जीनगर, परमेश्वर कुमावत भी मौजूद थे।

खुशी पोषण मेले का उद्घाटन हुआ, विभिन्न स्टालें, प्रदर्शनी लगी

राजसमंद | महिला एवं बाल विकास विभाग, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और जतन संस्थान से संचालित खुशी परियोजना के तहत मंगलवार को रामानुज वाटिका सुभाषनगर पर खुशी पोषण मेले का उद्घाटन महिला एवं बाल विकास विभाग उपनिदेशक नंदलाल मेधवाल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एडीजे नरेंद्रकुमार, हिंदुस्तान जिंक से अभय गौतम, सत्यनारायण टेलर और अनु अनमोल ने किया। कार्यक्रम समन्वयक वीरेंद्रसिंह तंवर ने बताया कि मेले का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों पर समुदाय को दिए जाने वाले की उपयोगिता लोगों में बढ़ाना, सभी के सांझा प्रयासों से जिले में कुपोषण के स्तर में कमी लाना है। मंचासीन अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम प्रारंभ किया। मेले में महिलाओं के लिए विभिन्न स्टाल लगाई। इनमें शाला पूर्व शिक्षा, नंदघर, उगेर, चाइल्ड लाइन, हेल्थ स्टाल, मन की बात थी सबसे रोचक स्टाल की थी, इसमें तीनों ब्लॉक की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से ढोकला, फूली लड्डू, राब, पकौड़ी, हलवा, चक्की इत्यादि तरह तरह के व्यंजन बनाकर प्रदर्शनी में रखे।

कम उम्र में संघर्ष से पाया बड़ा मुकाम, पहले खुद बदलीं, फिर समाज को दी नई दिशा

समाज की रूढ़ियों के विरोध में खड़ी होने वाली इन लड़कियों की उम्र मात्र 15 से 22 वर्ष हैं

कविता के प्रयासों से माझावास पंचायत को मिला पानी

दुर्गा के प्रयासों से चंदेसरा गांव स्कूल में शौच मुक्त हो गया

धमकियों से नहीं डरी दुर्गा, 90 महिलाओं को भी किया साक्षर

आरती सेन ने किया विरोध, गांव में अब नहीं होते हैं बाल विवाह

[illegible]

पंजाबी धुनों ने जमाया रंग

जश्न-ए-जतन में खूब झूमे दर्शक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

रेलमगरा. जतन संस्थान के 19वें स्थापना दिवस पर खड़बामनिया में संस्थान के हुनर घर में आयोजित कार्यक्रम में पंजाबी टशन की धमाल रही। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला से आए वीरेन्द्रसिंह के नेतृत्व में कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी, जिस पर दर्शकों से खचाखच भरे पण्डाल में लोग झूम उठे। कलाकारों ने वैशाखी फसल पकने पर पंजाब में गाए जाने वाले गीतों पर नृत्य की प्रस्तुतियां दी। झूमर नृत्य ने खूब धमाल मचाया। वहीं कलाकारों ने जुगनी, जिंदुआ, भांगड़ा, गिद्धा आदि नृत्यों की मोहक प्रस्तुतियां दी। गणपत कुमावत एवं अशोक कुमार को विजय जोशी सम्मान से नवाजा गया। निदेशक डॉ. कैलाश बृजवासी ने सभी का स्वागत कर संस्थान की गतिविधियों को साझा किया। गोगुन्दा से आए दल ने बाल विवाह, नशा प्रथा, दहेज प्रथा के विरोध में चेतना निर्माण नाटक की प्रस्तुति दी। संचालन ओमप्रकाश गायरी ने किया।

जतन संस्थान के स्थापना दिवस पर पंजाबी नृत्य की प्रस्तुतियां देते पंजाबी कलाकार। रेलमगरा

Jatan Sansthan

UDAIPUR 05, Tirupati Vihar, Opp. Celebration Mall, Bhuwana, **Udaipur**-313001
Sirohi road, NH79, near Petrol pump, **Gogunda** (Dist. Udaipur)
Chhani Road, **kherwara (**Dist. Udaipur)
Uger, Neemach Mata Kacchibasti, Udaipur- 313301

RAJSAMAND Subhash Nagar, 100 feet Road , **Rajsamand**-313326
Police station road, **Railmagra** (Dist. Rajsamand)- 313329
Near SBI Bank, Molela road, **Khamnor** (Rajsamand)

JAIPUR 81A, Surajnagar East, Civil Lines, Jaipur

DUNGRPUR 1C/17, Patrakar Colony, Near Water Tank, Dungerpur- 314001

BHILWARA Bus stand road, Gangapur, **Sahada** (Dist: Bhilwara

WEBSITE www.jatansansthan.org
EMAIL info@jatansansthan.org

LinkedIn: company/jatan-sansthan | **Youtube:** c/JatanSansthan | **Instagram/Twitter:** Jatan_Sansthan
Facebook: jatansansthan1 **Blog**: http://jatansansthan.org/blog

Jatan
Working with young people